राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 28 दिसंबर 2023 वर्ष-6,अंक-333 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चमत्कार के बाद नमस्कार! इधर ऐक्शन में भजनलाल, उधर पत्नी कर रहीं कठिन तपस्या

भरतपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कामकाज संभाल लिया है। सीएम रेस में कई दिग्गजों को पछाड़कर कुर्सी पाने वाले भजनलाल शर्मा ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं तो शासन-प्रशासन के ढीले पेंच कसने में जुट गए हैं। उधर उनकी पत्नी एक बेहद कठिन तप में जुटी हैं। सीएम की पत्नी गिर्राज पर्वत की परिक्रमा कर रही हैं। 21 किलोमीटर की यह परिक्रमा वह चलकर नहीं बल्कि दंडवत होकर कर रही हैं, जिसमें कम से कम पांच दिन का वक्त लगता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गिर्राज महाराज के भक्त रहे हैं और कई वर्षों से वह मथुरा के गोवर्धन में जाकर परिक्रमा देते रहे हैं। मुख्यमंत्री का पूरा परिवार भगवान कृष्ण का भक्त है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पत्नी गीता देवी अपने पुत्र के साथ मथुरा में स्थित गोवर्धन पर्वत की दंडवत परिक्रमा दे रही हैं। यह परिक्रमा करीब पांच दिनों में पूरी होती है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वह दंडवत परिक्रमा दे रही हैं। दरअसल गोवर्धन पर्वत उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित है, जो राजस्थान के भरतपुर की सीमा से सटा हुआ है। यह पर्वत 21 किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है, जिसकी परिक्रमा लाखों लोग देश के कोने-कोने से आकर करते हैं। बताया जाता है कि जब इंद्रदेव ने अपना कहर बरपाया तब भगवान श्री कृष्ण ने गिर्राज पर्वत को उठाकर बृजवासियों की जान बचाई थी। तभी से इस पर्वत की पूजा होती है। यह भी बताया जाता है कि जब हनुमान जी मूर्छित लक्ष्मण को बचाने के लिए संजीवनी बूटी सहित पूरा पर्वत उठाकर ले गए थे। तब उसे पर्वत को वापस लौटना था और उसका एक हिस्सा यहां रखा गया था जो आज गोवर्धन पर्वत के रूप में पूजा जाता है।

अब भारत न्याय यात्रा पर निकलेंगे राहुल गांधी, मणिपुर से होगी शुरुआत

नई दिल्ली। राहुल गांधी अब आम चुनाव से पहले एक और यात्रा पर निकलने वाले हैं। वह 14 जनवरी से मणिपुर से मुंबई तक की यात्रा पर निकलेंगे, जो 20 मार्च तक चलेगी। 14 राज्यों से गुजरने वाली यह यात्रा पूर्वोत्तर भारत से देश के पश्चिमी हिस्से को जोड़ेगी। लंबे समय से चर्चा थी कि राहुल गांधी एक और यात्रा पर निकलने वाले हैं, जिसका अब ऐलान हुआ है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि रणनीति के तहत इसकी शुरुआत मणिपुर से करने का फैसला हुआ है, जहां भीषण दंगे हुए थे। इससे कांग्रेस दंगों के मामले में भाजपा को घेरने की कोशिश करेगी। इसके अलावा महाराष्ट्र तक जाने का प्लान है।

खबर है कि यह यात्रा पूरी तरह से पैदल नहीं होगी बल्कि हाइब्रिड मोड में होगी। इस यात्रा पर निकले राहुल गांधी आम लोगों से मुलाकात करेंगे और सामाजिक संगठनों के लोगों से भी बातचीत करेंगे। इससे पहले बीते साल भी राहुल गांधी ने 5 महीने लंबी यात्रा निकाली थी। यह यात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर श्रीनगर गई थी। इस यात्रा के तहत 150 दिनों में 4500 किलोमीटर का सफर तय किया गया था। हालांकि इस यात्रा में कई अहम राज्य छूट गए थे। अब कांग्रेस पार्टी उन राज्यों को कवर करने का प्रयास करेगी। बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस इस यात्रा को अपनी ताकत बढ़ाने के अवसर के तौर पर देख रही है।

बता दें कि 21 दिसंबर को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग थी। इस मीटिंग में पार्टी नेताओं ने मांग की थी कि राहुल गांधी को अगली यात्रा पर निकलना चाहिए। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि 14 जनवरी को मल्लिकार्जुन खरगे इम्फाल में यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। जयराम रमेश ने कहा कि यह गरीबों के साथ हुए आर्थिक, सामाजिक अन्याय पर फोकस यात्रा होगी। वेणुगोपाल ने यात्रा के रूट की पूरी जानकारी देते हुए कहा कि यह 14 राज्यों के 85 जिलों से होकर गुजरेगी।

यूपी-बिहार समेत इन राज्यों से होकर गुजरेगी राहुल गांधी की यात्रा

यात्रा के तहत राहुल गांधी और उनकी टीम मणिपुर से शुरुआत कर नागालैंड होते हुए असम, मेघालय के रास्ते बंगाल आएगी। फिर बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, यूपी और एमपी का रूट बनेगा। यही नहीं मध्य प्रदेश से निकलकर यात्रा राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जाएगी।

यात्रा पूरी तरह से पैदल नहीं होगी बल्कि हाइब्रिड मोड में होगी। इस यात्रा पर निकले राहुल गांधी आम लोगों से मुलाकात करेंगे और सामाजिक संगठनों के लोगों से भी बातचीत करेंगे। इससे पहले बीते साल भी राहुल गांधी ने 5 महीने लंबी यात्रा निकाली थी। यह यात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर श्रीनगर गई थी। इस यात्रा के तहत 150 दिनों में 4500 किलोमीटर का सफर तय किया गया था।

इस तरह पूर्वोत्तर भारत से निकली यात्रा मध्य, उत्तर भारत से होते हुए पश्चिमी राज्यों तक जाएगी। इससे पहले पार्टी ने अरुणाचल से गुजरात के पोरबंदर तक का प्लान बनाया था, लेकिन मणिपुर में हुई हिंसा के बाद योजना बदल गई।

देश भगवद गीता, कुरान, बाइबिल के अनुसार नहीं, संविधान से चल रहा है: प्रियांक खडगे

● खडगे ने हुबली में बोलते हुए जोर देकर कहा देश संविधान के अनुसार चल रहा है। कोई कुछ भी राय रखे, कर्नाटक में सरकार संविधान के अनुसार काम कर रही है। सरकारें संविधान के आधार पर काम करती हैं। मंत्री खडगे ने कहा कि कर्नाटक में सरकार बसवा और अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार हिंदुत्व के सिद्धांत पर काम कर रही थी।

द्वहुबली, (कर्नाटक)। कर्नाटक के आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खडगे ने बुधवार को यह कहकर विवाद को न्योता दिया कि देश को भगवद गीता, कुरान और बाइबिल के अनुसार नहीं चलाया जा रहा है। खडगे ने हुबली में बोलते हुए जोर देकर कहा देश संविधान के अनुसार चल रहा है। कोई कुछ भी राय रखे, कर्नाटक में सरकार संविधान के अनुसार काम कर रही है। सरकारें संविधान के आधार पर काम करती हैं। मंत्री खडगे ने कहा कि कर्नाटक में सरकार बसवा और अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार हिंदुत्व के सिद्धांत पर काम कर रही थी। विधानसभा अध्यक्ष की सीट पर बैठे विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी ने तब कहा था कि वह आरएसएस की पृष्ठभूमि से आते हैं। भाजपा ने कथित तौर पर कोविड महामारी के दौरान लोगों की जान की कीमत पर पैसा लूटा है। उन्होंने मांग की, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देना चाहिए। असंतुष्ट विधायक यतनाल ने मंगलवार को कहा कि यदि उन्हें पार्टी से निकाला गया तो वह कर्नाटक में बी.एस. येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में कोविड-19 महामारी के चरम के दौरान 40 हजार करोड़ रुपये की कथित अनियमितताओं का पर्दाफाश करेंगे।

बजरंग पुनिया से मिले राहुल गांधी, WFI विवाद पर अखाड़े में की पहलवानों के संग चर्चा

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद भी इस मुद्दे पर सियासत जारी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज सुबह-सुबह हरियाणा के झज्जर के छारा गांव स्थित वीरेंद्र कुश्ती अकादमी पहुंचे। यहां उन्होंने पहलवान बजरंग पुनिया से मुलाकात की। आपको बता दें कि इसी कुश्ती अखाड़े से पुनिया बंधुओं ने अपनी कुश्ती की ट्रेनिंग शुरू की थी। आपको बता दें कि हाल ही में पुनिया ने WFI में हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह के अध्यक्ष पद पर चुने जाने के विरोध में प्रधानमंत्री के आवास के नजदीक में पद्मश्री पुरस्कार फुटपाथ पर रख दिया था। वहीं, साक्षी मलिक ने सन्यास का ऐलान कर दिया था। आपको बता दें कि स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार लौटाने का फैसला करते हुए मौजूदा हालात से निराश होने की बात कही। फोगाट ने प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में अपने फैसले की घोषणा की। फोगाट ने कहा, मुझे याद है कि 2016 में जब साक्षी मलिक ने ओलंपिक पदक जीता तो सरकार ने उन्हें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनाया। जब हमें इस बारे में पता चला तो देश की महिलाएं खुश थीं और एक-दूसरे को बधाई संदेश भेज रही थीं। फोगाट ने कहा, आज जब साक्षी को कुश्ती छोड़ने के लिए मजबूर किया गया तो मुझे वह साल बार-बार याद आ रहा है। हमें उन विज्ञापनों को

प्रकाशित करने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि उनमें लिखे नारों से ऐसा लगता है कि आपकी सरकार बेटियों के उत्थान के लिए गंभीरता से काम करना चाहती है।

सपना धुंधला पड़ता जा रहा

फोगाट ने कहा कि मैंने ओलंपिक में पदक जीतने का सपना देखा था लेकिन अब यह सपना भी धुंधला पड़ता जा रहा है। बस यही दुआ करूंगी कि आने वाली महिला खिलाड़ियों का यह सपना जरूर पूरा हो।

फिर आरोप लगाए

पत्र में विनेश ने प्रधानमंत्री से महिला पहलवानों के खिलाफ अपमानजनक बयानों (बृज भूषण के) को सुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, जो शोषणकर्ता है उसने भी अपना दबदबा रहने की मुनादी कर दी है। आप बस अपने जीवन के पांच मिनट निकालकर उस आदमी के मीडिया में दिए गए बयानों को सुनें। आपको पता चल जाएगा कि उसने क्या-क्या किया है। विनेश ने आरोप लगाया कि महिला पहलवानों के लिए अपमानजनक संबोधन का इस्तेमाल किया गया। उसने कितनी ही महिला पहलवानों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

महाराष्ट्र में मदरसा नीति पर बीजेपी का यू-टर्न

अब एकनाथ शिंदे बांट रहे 10-10 लाख रुपयें

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने महाराष्ट्र के मदरसों को आधुनिक बनाने का काम शुरू किया है। खबर है कि इसके लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हर मदरसे को 10 लाख रुपये देने का फैसला किया है। साथ ही मदरसों में साइंस और मैथ्स को अनिवार्य विषय बनाने पर भी काम किया जा रहा है। खास बात है कि राज्य सरकार ने संकल्प जारी किया है, जिसके तहत बड़े स्तर पर बदलाव किए जाने हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, संकल्प में कहा गया है कि डॉक्टर जाकिर हुसैन मदरसा आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत फंड जारी किए जाएंगे। इसकी मदद से लाइब्रेरियों की स्थापना, शिक्षकों की सैलरी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम होगा। सरकार की तरफ से मिलने वाले अनुदान और योजना का फायदा पात्र मदरसे ही उठा सकेंगे। मदरसों को कुछ शर्तें भी माननी होंगी। न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, संकल्प में कहा गया है, राज्य सरकार से फंड चाहने वाले मदरसों को वक्फ बोर्ड में रजिस्टर्ड होना होगा। इन मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला लेना होगा। धार्मिक शिक्षा के अलावा मदरसों में पढ़ा रहे शिक्षकों साइंस और मैथ्स भी पढ़ाना होगा। खबर है कि इन शिक्षकों को कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर रखा जाएगा और राज्य सरकार इनकी सैलरी देगी। संकल्प में कहा गया है, एक बिल्डिंग में सिर्फ एक ही मदरसे को चलने की अनुमति होगी। महाराष्ट्र में 121 मदरसे रजिस्टर्ड हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इससे पहले मदरसों को बंद करने की मांग की थी, लेकिन अब अपनी नीति बदली और धार्मिक शिक्षण केंद्रों को हर संभव मदद देने का फैसला किया है।

वैष्णो देवी मंदिर में इस बार रिकॉर्ड तोड़ पहुंचे भक्तजन, 10 साल बाद ऐसा चमत्कार

जम्मू। वैष्णो देवी मंदिर में इस साल रिकॉर्डतोड़ तीर्थयात्री पहुंचे हैं। इस वर्ष अब तक 93.50 लाख से अधिक तीर्थयात्री वैष्णो देवी के गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। ऐसा चमत्कार 10 साल बाद हुआ है। मंदिर समिति के अधिकारियों का कहना है कि प्रतिदिन 37 हजार से 44 हजार श्रद्धालुगण मंदिर की यात्रा कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि साल के अंत तक प्रतिदिन का यह आंकड़ा 50 हजार पार कर जाएगा। वैष्णो देवी मंदिर के अधिकारियों का कहना है कि सोमवार तक मंदिर में कुल 93.50 लाख लोगों ने मंदिर के दर्शन किए। जम्मू के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में लाखों की संख्या में लोगों ने दर्शन किए। इससे पहले 2013 में रिकॉर्डतोड़ 93.24 लाख लोगों ने दर्शन किए थे। 2023 में यह आंकड़ा भी पार कर गया।

दस साल बाद ऐसा चमत्कार

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने कहा, ÷93.24 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के नए रिकॉर्ड के साथ तीर्थयात्रा पिछले दस वर्षों में सबसे अधिक है। तीर्थ यात्रा के इतिहास में सबसे अधिक संख्या 2012 में थी, जिसमें 1,04,09,569 श्रद्धालु पहुंचे थे। इसके बाद 2011 में 1,01,15,647 श्रद्धालु थे।

गर्ग ने कहा कि प्रतिदिन 37,000 से 44,000 श्रद्धालु मंदिर की यात्रा कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि साल के अंत तक यह आंकड़ा 50,000 श्रद्धालु प्रतिदिन तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि इस साल अनुमान है कि भगवान के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की संख्या 95 लाख से अधिक हो जाएगी।

मंदिर में बढ़ रही सुविधाएं

हाल ही में मंदिर में सुविधाओं के मामले में कुछ बढ़ोतरी देखी गई है। जिसमें माता वैष्णो देवी भवन और दुर्गा भवन में स्काईवॉक भी शामिल है। स्काईवॉक और एक पुनर्निर्मित पार्वती भवन का उद्घाटन अक्टूबर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया गया था। इसके अलावा, कटरा में तीर्थस्थल आधार शिविर एक अत्याधुनिक कॉल सेंटर बन चुका है। यहां 24 घंटे तीर्थयात्रियों की मदद की जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कॉल सेंटर दुनिया भर के तीर्थयात्रियों से हर दिन लगभग 2,500 कॉल अटेंड करता है। अक्टूबर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भक्तों के लिए माता वैष्णो देवी लाइव दर्शन सुविधा शुरू की थी।

दिल्ली में कोहरे का कोहराम, एयरपोर्ट ने जारी की एडवाइजरी, कई ट्रेनें रद्द; नए साल पर बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी में सर्दी के सितम के बीच दिल्ली के कुछ हिस्सों में आज घने कोहरे की चादर छाई रही। सुबह-सुबह घने कोहरे के चलते शहर के कई हिस्सों में दृश्यता कम हो गई है, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है और आने-जाने वालों को दिक्कत हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 31 दिसंबर तक कोहरा जारी रहने का अलर्ट जारी किया गया है, वहीं नए साल पर हल्की बारिश की भी संभावना है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में कोहरे की स्थिति के कारण कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं और देरी से चल रही हैं।

दिल्ली हवाईअड्डे ने एक एडवाइजरी जारी कर कहा कि लैंडिंग और टेकऑफ जारी रहने के दौरान, कैट III मानकों का अनुपालन नहीं करने वाली उड़ानों को व्यवधान का सामना करना पड़ सकता है। यात्रियों को उड़ान की लेटेस्ट जानकारी के लिए अपनी संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करने और यह जांचने की सलाह दी गई है कि उनकी उड़ानें सीएटी III के अनुरूप हैं या नहीं।

कोहरे ने रोकी दिल्ली-एनसीआर की रफ्तार, 2 दिन और मुश्किल भरे

एडवाइजरी में कहा गया है, जबकि दिल्ली हवाईअड्डे पर लैंडिंग और टेकऑफ जारी है, सीएटी III के अनुरूप नहीं होने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपडेट उड़ान जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। किसी भी असुविधा के लिए गहरा खेद है।

CAT III-अनुपालक विमान उन्नत उपकरण और प्रौद्योगिकी से लैस हैं, जिन्हें घने कोहरे जैसी लो विजिबिलिटी वाली स्थितियों में संचालित किया जा सकता है। यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गैर-अनुपालन वाली उड़ानों में देरी या रद्दीकरण किया जा सकता है।

इस बीच, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली समेत कई उत्तरी क्षेत्रों के लिए मौसम की चेतावनी जारी की गई है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि इन क्षेत्रों में कई स्थानों पर और उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर घने से बहुत घने कोहरे का अनुमान है। राजस्थान के अलग-अलग स्थानों के साथ-साथ उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर भी घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

राजधानी में सर्दी के सितम के बीच दिल्ली के कुछ हिस्सों में आज घने कोहरे की चादर छाई रही। सुबह-सुबह घने कोहरे के चलते शहर के कई हिस्सों में दृश्यता कम हो गई है, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है।

हवाईअड्डे के अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को घने कोहरे के कारण कई क्षेत्रों में विजिबिलिटी प्रभावित हुई, दिल्ली हवाईअड्डे पर लो विजिबिलिटी के कारण कई उड़ानों में देरी हुई। दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग पर सुबह 5.30 बजे दृश्यता 200 मीटर दर्ज की गई, जबकि पालम स्टेशन पर दृश्यता 100 मीटर थी।

संपादकीय

गलत विदेश गमन

येन-केन-प्रकारेण विदेश चले जाने का अपराध जितना दुखद है, उतना ही शर्मनाक भी। कुछ-कुछ लोग तो हमेशा से ही विदेश जाते रहे हैं, पर लोग जहाज भर-भरकर जा रहे हैं, यह देखकर अचंभा हुआ है। शायद फ्रांस ने पहली बार एकमुश्त 303 भारतीयों को अपने एक हवाई अड्डे पर रोक लिया। यदि कागजात पूरे सही होते, तो जाहिर है, रोकने की हिमाकत फ्रांस की एजेंसियां नहीं करतीं। एक निजी एयरलाइंस का विमान निकारागुआ जा रहा था और महज ईंधन के लिए वैट्री हवाई अड्डे पर रुका था। फ्रांस की एजेंसियों को शक हो गया कि मामला मानव तस्करी का है। कड़ी पूछताछ हुई, एयरपोर्ट पर ही अदालत लगी और भारतीयों को लौटाने के पक्ष में फैसला किया गया। ध्यान रहे, फ्रांस में मानव तस्करों को कड़ी सजा मिलती है। इस उदार देश ने 303 में से 25 को छोड़ बाकी सभी भारतीयों जाने दिया है। इन 25 लोगों ने फ्रांस में शरण मांगी है और वहीं रुक गए हैं। इस मामले से कई सवाल जुड़े हैं, जो यथोचित विमर्श की मांग करते हैं। गौर करने की बात है कि लोग काफी पैसे खर्च करके विदेश जा रहे थे, इसे हम भागना भी कह सकते हैं। अगर यही लोग खास योग्यताएं हासिल कर लेते, तो अपने प्रयास से विदेश जा सकते थे। योग्यता के दम पर जब कोई भारतीय विदेश जाता है, तो इससे देश का सम्मान बढ़ता है, पर जब कोई अवैध रूप से देश छोड़ता है, तो इससे देश को नुकसान होता है और बदनामी भी होती है। क्या यह चिंता की बात नहीं है कि अमेरिका में रहने-बसने का मोह इधर कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। प्रतिदिन औसतन 250 से ज्यादा भारतीय अमेरिका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश करते हैं। अमेरिका में घुसने के ऐसे और भी मामले होंगे, जो दर्ज होने से रह गए होंगे। भारतीयों को उनकी योग्यता के लिए अमेरिका में पहचाना जाता है, मगर जिस गति से अवैध रूप से भारतीय अब अमेरिका पहुंचना चाहते हैं, वह बहुत चिंताजनक है। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा डाटा का हवाला देते हुए संसद को बताया था कि इस साल करीब एक लाख अवैध भारतीय प्रवासियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने का प्रयास किया। पश्चिमी देशों की नजर में लोगों का ऐसे जाना या पहुंचाया जाना मानव तस्करी जैसा ही मामला है। ऐसी एजेंसियां या कंपनियां हैं, जो अवैध रूप से भागने वालों की मदद करती हैं। ऐसी कंपनियों या एजेंटों पर कड़ाई से लगाम कसने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका की 2023 मानव तस्करी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत तस्करी के उन्मूलन के लिए न्यूनतम मानकों को पूरा नहीं करता है। यही रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत जरूरी मानकों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। सरकार के प्रयासों के बावजूद थोक में लोगों का अवैध रूप से विदेश जाना जारी है। बाकी देश भी अगर फ्रांस जैसी सजगता दिखाएं, तो दुनिया में अवैध आव्रजन को रोकने में सहूलियत हो सकती है। इसमें कोई शक नहीं है कि अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वालों के खिलाफ कड़ाई बहुत जरूरी है। पुलिस और प्रशासन को इस मोर्चे पर चाक-चौबंद रहना होगा। समाज को भी सजग रहना चाहिए। आखिर लोग अवैध रूप से विदेश जाने में कैसे कामयाब हो रहे हैं? हम कहां-कहां उदासीनता और लापरवाही बरत रहे हैं? हमें अयोग्यता का मार्ग रोकना ही होगा, जबकि योग्यता अपना रास्ता खुद तय कर लेगी।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

बदलाव की बयार से घाटी में जीवन संवार

हरीश मलिक

श्रीनगर एयरपोर्ट के बाहर ड्राइवरों का हुजूम है। आगन्तुक मेहमानों के नामों की तख्तियां हाथों में हैं। इन पर एक नजर डालें तो सत्तर फीसदी नाम हिंदू, दो-चार विदेशी और बाकी कश्मीर मूल के हैं। ये तख्तियां सिर्फ नामों का संकेत भर नहीं हैं, बल्कि बताती हैं कि कभी आतंक से जूझ रहा राज्य जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद किस तेजी से अमन की डगर पर आगे बढ़ चला है। यही वजह है कि धरती के स्वर्ग का दीदार करने के लिए यहां आने वाले पर्यटकों के आंकड़े नित नये रिकॉर्ड बना रहे हैं। जिन हाथों में तख्तियां हैं, उनमें अधिकांश युवा हैं और वे तहेदिल से अपने मेहमानों का इस्तकबाल कर रहे हैं। कभी युवाओं के हाथों में पत्थर-हथियार हुआ करते थे। मगर अब कश्मीर घाटी का युवा पत्थरबाजी-प्रदर्शन और हिंसा को छोड़कर शांति की बयार में रोजगार से जीवन संवार रहा है। अब उसके दिल में सिर्फ कश्मीर और कश्मीरियत की चाहत ही नहीं, बल्कि वह भारत को भी लख्ते-जिगर की तरह चाहता है। तभी तो आर्टिकल-370 के निरस्त होने के बाद बड़ी संख्या में कश्मीरी युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा करने को भी आतुर हैं। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 और 35-ए को निरस्त किए जाने की चौथी सालगिरह के चार महीने बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने संसद के फैसले पर संवैधानिक मुहर लगा दी है। लेकिन कश्मीर घाटी की आबोहवा संसद के फैसले के साथ ही बदलनी शुरू हो गई थी। पूरे जम्मू कश्मीर से सरहद तक अब आतंक की नहीं बल्कि तरक्की की बातें हो रही हैं। श्रीनगर के लाल चौक से लेकर गांवों-शहरों में सरकारी इमारतों और सरहद तक हर ओर तिरंगा लहरा रहा है। कश्मीर में अब सड़कों पर न पत्थरबाज दिखते हैं और न ही राष्ट्र विरोधी प्रदर्शन करने वाले। एक समय वह भी था जबकि पत्थरबाजी की घटनाएं आम होती थीं। यहां तक कि इनमें लोगों की मौत भी हो जाती थी। लेकिन आर्टिकल 370 खत्म होने के बाद पत्थरबाजी में लगातार कमी आई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, आतंकवादी-अलगाववादी एजेंडा के तहत 2018 में जहां 1767 संगठित पत्थर फेंकने की घटनाएं हुईं, वहीं इस साल ये नगण्य हैं। कश्मीर घाटी में बदलाव की बयार के पीछे जो सबसे बड़ी वजह बने हैं, उन्हीं कुछ युवाओं से गुफ्तगू करते हैं तो फॉग की तरह बातें भी साफ होने लगी हैं। श्रीनगर से गुलमर्ग जाते हुए युवा वसीम आरिफ साफ-साफ स्वीकार करते हैं कि केंद्र सरकार के निर्णय ने पिछले करीब साढ़े चार वर्षों में जम्मू-कश्मीर की तसवीर और यहां के लोगों की तकदीर बदलने का काम किया है। जम्मू-कश्मीर में चाहे जिस पार्टी की भी सरकार रही हो, जिस भी दल के नेता रहे हों, उन्होंने सिर्फ अपना और अपने परिवार का ही भला किया है। कश्मीर के अवाम, युवाओं के भविष्य और रोजगार पर कभी फोकस नहीं किया। रही-सही कसर कश्मीर पुलिस ने पूरी कर दी। उसने सिर्फ अपना गुड वर्क दिखाने और प्रमोशन पाने के लिए ऐसे-ऐसे निर्दोष युवाओं को पकड़ा, जिनका अपराध या आतंक से दूर-दूर तक वास्ता न था। वे बताते हैं कि इंडियन आर्मी ने कभी ऐसा काम नहीं किया, इसलिए हम कश्मीरी भारतीय फौज का बहुत सम्मान करते हैं। वसीम की ही बात को डल झील में शिकारे पर कहवा बेच रहा आदिल आगे बढ़ाता है। वो पढ़ाई कर रहा है और समय मिलने पर कहवा से कोचिंग फीस का खर्च निकाल लेता है। आदिल का लक्ष्य इंडियन आर्मी की सर्विस है। उसका चचेरा बड़ा भाई भी फौज में है। गुलमर्ग के पढ़े-लिखे गाइड अमहद खान के मुताबिक, पहले तो अच्छी नौकरी के अभाव में ये हालात थे कि इंजीनियरिंग, पीएचडी करने के बाद भी युवा यहां किराये की गाड़ी चलाने को मजबूर थे। तब सियासतदानों को युवाओं के भविष्य से कोई लेना- देना नहीं था। लेकिन अब केंद्र शासित प्रदेश बनने, भारत सरकार के कानून और योजनाएं लागू होने से महिलाओं को अधिकार और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं। यही वजह है कि अब युवा पत्थरबाजी या हथियार उठाने के बजाय अमन और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध करने के जतन कर रहा है। आंकड़ों में बात करें तो उनकी बात सच के बेहद करीब है। कुछ इलाकों में आतंकी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सुरक्षा बलों के सख्त रुख के चलते ज्यादातर अलगाववादी और उनके मददगार गायब होने लगे हैं। बदले हालात में एलओसी पर भी शांति है और सरहद पार की बंदूकें खामोश हैं। आतंकी घटनाओं के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति, चाक-चौबंद सुरक्षा बंदोबस्त के चलते आतंकियों ने घुटने टेक दिए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2018 से 2022 के बीच आतंकी गतिविधियों में 45.2 फीसदी की कमी आई है। आतंकी भर्ती से भी युवाओं ने मुंह मोड़ लिया है। यह आंकड़ा 2018 में 199 था, जो 2023 में घटकर सिर्फ 12 रह गया है। यही नहीं इससे घुसपैठ पर भी करारा प्रहार हुआ। घुसपैठ की घटनाएं भी 2018 में 143 के मुकाबले 2022 में सिर्फ 14 ही रह गई हैं। श्रीनगर से पहलगाम जाते हुए कश्मीरी केसर के खेतों के पास झेलम प्लाजा में बादामवीर शोरूम के मालिक आफताब आर्टिकल 370 के खातमे पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर लगने से खुश हैं। वे कहते हैं कि इस फैसले से पहले अलगाववादियों की शह पर सूबे में होने वाले बंद, हड़ताल और पत्थरबाजी से न केवल राज्य की आर्थिक सेहत पर बल्कि पूरे समाज पर बुरा असर पड़ता था। तब स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, और इंडस्ट्रीज का बंद होना रोज की बात थी। लेकिन अब स्कूल, कॉलेज और व्यापार बदस्तूर चल रहे हैं। यहां के छात्र और व्यापारी वर्ग देश की मुख्यधारा से जुड़ते दिख रहे हैं। दरअसल, ऐसा इसलिए भी संभव हुआ है, क्योंकि सरकार ने जनता की बेहतरी की कई योजनाएं शुरू की हैं। घाटी में औद्योगिक विकास के लिए केंद्र ने 28400 करोड़ रुपये का बजट रखा है। आर्थिक नीति का असर है कि जम्मू-कश्मीर में 78000 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश के प्रस्ताव आ चुके हैं। इस निवेश और आर्टिकल 370 के खातमे से निश्चित रूप से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।यह सही है कि आर्टिकल 370 अस्थायी था और इसका प्रावधान तत्कालीन युद्ध की स्थिति के चलते किया गया। यही कारण है कि इसे संविधान के भाग 21 में रखा गया था। लेकिन बाद में सियासतदानों ने स्वार्थ की राजनीति के चलते इसे हटाने की कोई मंशा नहीं दिखाई। बहरहाल, संसद के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कश्मीर पर हर भारतीय का और कश्मीरियों का संपूर्ण देश पर समान हक है। शीर्ष अदालत के इस आदेश ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत किया है।

लेखक वरिष्ठ संपादक हैं।

सुचारु संचालन से ही फलदायी होंगी योजनाएं

दीपिका अरोड़ा

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु, सरकारों द्वारा समाज के हित में अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं किंतु बात जब समुचित प्रबन्धन की हो तो अधिकतर योजनाएं त्रिशंकु अवस्था में झूलती प्रतीत होती हैं। हरियाणा के ही एक ज़िले का उदाहरण लें, जहां 'संतुलित पोषाहार योजना', ईंधन अनुपलब्धता को लेकर संघर्षरत दिखाई पड़ी। मीडिया में छपी रिपोर्टों के अनुसार, ज़िले के अंतर्गत स्थापित लगभग 1281 आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 32 हज़ार बच्चों को विगत दो वर्षों से लंबित ईंधन बजट न मिल पाने के कारण सूखे राशन के रूप में मुरमुरे, चना, मूंगफली गिरी आदि खाकर ही संतुष्ट होना पड़ा। ईंधन-व्यवस्था न होने के चलते खिचड़ी, परांठा, मीठा व नमकीन दलिया जैसे दिनानुसार सूचीबद्ध भोज्य पदार्थ पोषाहार थाली से ग़ायब हो गए। जानकारी के अनुसार, कुछ माह अपने स्तर पर व्यवस्था करने वाले आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायकों को अंततः इस विषय में विरोध दर्शाना पड़ा। जैसा कि सर्वविदित है, भोजन जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। न केवल पर्याप्त मात्रा में इसकी उपलब्धता महत्वपूर्ण है बल्कि पोषण के स्तर पर आहार का सम्पूर्ण होना भी जरूरी है। खाद्य संसाधनों की स्थिति, उपलब्धता तथा उपयोग की अनिवार्यता के मद्देनजर ही 8 मार्च, 2018 को सरकार द्वारा 'पोषण अभियान' यानी राष्ट्रीय पोषण मिशन की शुरुआत की गई। योजना का उद्देश्य कुपोषण की चुनौती से निपटने एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु व्यापक रणनीति तैयार करना, पर्याप्त पोषक आहार सर्वसुलभ करवाना एवं पोषण की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। निर्धारित नवीन मापदंड के अनुसार, पोषाहार योजना के माध्यम से सरकार सभी गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों के पोषण हेतु पका हुआ भोजन व सूखा राशन प्रदान करती है। योजना के अंतर्गत, बच्चों को पौष्टिक आहार देने के साथ कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। पोषण एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य में स्वास्थ्य तथा विकास का मूलमंत्र है। विशेषकर गर्भावस्था से बाल्यकाल तथा किशोरवय की चरणबद्ध विकास प्रक्रिया के तहत, बच्चों के शारीरिक, बौद्धिक तथा मानसिक विकास हेतु सम्पूर्ण आहार उपलब्ध होना अत्यधिक महत्व रखता है। बाल्यकाल में तीव्र गति से होने वाले विकास के मद्देनज़र, आहार में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिनों तथा खनिजों का समुचित मात्रा में समावेश होना अत्यंत आवश्यक है। संतुलित आहार बच्चों की हड्डियां तथा मांसपेशियां मजबूत बनाने के साथ, स्वस्थ मस्तिष्क तथा तंत्रिका प्रणाली के निर्माण एवं विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। अल्प पोषण अथवा पोषण युक्त आहार का अभाव बालकों का समुचित विकास अवरुद्ध करके उन्हें असामान्य बना सकता है। उनकी बुद्धिमत्ता प्रभावित हो सकती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता भी क्षीण हो जाती है। भूख व कुपोषण न केवल स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ हैं अपितु लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करते हैं। बच्चों की शिक्षा पर भी इसका प्रतिकूल असर देखा गया। खाद्यान्न वितरण योजनाएं चलाए जाने के बावजूद आज भी भारत की कुल जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा न केवल खाद्य सुरक्षा से वंचित है, बल्कि पर्याप्त मात्रा में उसे पोषक आहार भी उपलब्ध नहीं हो पाता। ग्लोबल हंगर इंडेक्स, 2023 के अनुसार 125 देशों में भारत को 111वें स्थान पर, बेहद गंभीर स्थिति में रखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक़, देश की 16.6 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है। पांच वर्ष से कम आयुवर्ग के 35.5 प्रतिशत फ़ीसदी बच्चे उम्र के लिहाज़ से ठिगने हैं। पांच वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में मृत्यु दर 3.1 प्रतिशत दर्ज़ की गई। देश में बच्चों में वेस्टिंग दर, यानी ऊंचाई के लिहाज़ से बहुत पतले, 18.7 प्रतिशत रिपोर्ट की गई, जो विश्व में सर्वाधिक है। भारत सरकार के अनुसार, मापदंड पैमाने के आधार पर रिपोर्ट को भले ही संदेहास्पद आंक सकते हैं किंतु चाहकर भी देश में कुपोषण की सतही स्थिति नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। पोषाहार ईंधन अनुपलब्धता के उपरोक्त मामले में, हालांकि आईसीडीएस की ज़िला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा शीघ्र ही बजट जारी करने संबंधी आश्वासन दिया गया किंतु विचारणीय है, आखिर ऐसी स्थिति आती ही क्यों है, जब संसाधन प्राप्ति हेतु कर्मचारियों को अपने स्तर पर जुगाड़ करना पड़े अथवा असमर्थ होने पर अव्यवस्था के विरुद्ध सड़कों पर उतरना पड़े? संबंधित अधिकारियों का इस संदर्भ में क्या कोई दायित्व नहीं बनता? भारी प्रचार के साथ आरम्भ की गई योजनाओं में आखिर क्रियान्वयन को इतना महत्व क्यों नहीं दिया जाता कि वे योजनाबद्ध ढंग से समयानुसार संसाधनों से युक्त हों, निर्बाध संचालित होती रहें? विभागों के मुखिया कैसे भूल सकते हैं कि विश्व के बड़े खाद्य उत्पादक देश भारत में कुपोषण बड़ी समस्या है। बच्चे देश का भविष्य हैं। अर्द्धविकसित बचपन की कमज़ोर आधारशिला पर एक सशक्त, सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण भला कैसे हो सकता है? समृद्ध, स्वस्थ तथा सकारात्मक समाज का निर्माण तभी संभव है जब सरकारी योजनाएं सुचारु संचालन के आधार पर स्वयं को ख़रा साबित कर पाएं।

विचार मंथन

ब्रॉडकास्ट,टेलीकम्युनिकेशन और डाटा प्रोटक्शन बिल को लेकर विरोध

(लेखक-सनत जैन)

सरकार ने टेली कम्युनिकेशन और डेटा प्रोडक्शन बिल सदन से पास कर लिए हैं। ब्रॉडकास्ट विल भी जल्दी ही पेश किया जा रहा है। 2 कानून बन गए हैं। इन तीनों बिलों के माध्यम से आम आदमी की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति और निजता के अधिकार बाधित होना तय माना जा रहा है। इन बिलों की आड़ में सरकार किसी भी नागरिक को जैसे नचाएगी वैसे नाचना पड़ेगा। यह आरोप यूट्यूबर सरकार पर लगा रहे है। दावा किया जा रहा है, भारत सरकार यूट्यूबर को दबोचने की तैयारी के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। गोदी मीडिया की हालत क्या है। यह हम सभी देख रहे हैं। गोदी मीडिया वही दिखा रहा है,जो सरकार दिखाने की अनुमति देती है। बड़ी-बड़ी घटनाएं और कवरेज गोदी मीडिया से गायब है। नए कानून पर युटयूबर, पत्रकार, विचारक, टिप्पणीकार, समूह तथा व्यक्तिगत कवरेज के माध्यम से लोगों तक यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, फेसबुक के माध्यम से आमजन तक पहुंच रहे हैं। जो आदमी गोदी मीडिया के इलेक्ट्रॉनिक चैनलों से हैरान और परेशान है। जिन्हें इलेक्ट्रॉनिक चैनलों से पर्याप्त जानकारी नहीं मिल रही है। वह सोशल मीडिया के यूट्यूबर के माध्यम से सारी जानकारी प्राप्त कर रहे है। यह संख्या लाखों और करोड़ो लोंगो तक पहुंच गई है। रवीश कुमार और 4 पीएम जैसे चैनल इसके उदाहरण हैं। सरकार जो तीनों नए कानून लेकर आई है। उसके अनुसार अब यूट्यूबर जिनमे कॉमेडियन, व्यंग्यकार, और हजारों युटुयूबर भी होंगे। वह नए बिल में ब्रॉडकास्टर की श्रेणी में जाएंगे। ब्रॉडकास्ट बिल के माध्यम से अब यूट्यूबर के पत्रकार,स्वतंत्र रूप से अपनी बात नहीं कह सकेंगे। उन्हें अपना पंजीयन कराना पड़ेगा। सरकार जो गाइडलाइन बनाएगी, उसी के अनुसार चलना होगा। हमेशा सरकार की निगरानी में रहेंगे। सरकार उन्हें कानून के दायरे में बाबू बनाकर रख देगी। इतना डरा देगी कि वह अपना काम ही छोड़ दें। सरकार की मर्जी के खिलाफ यदि कोई भी कंटेंट होगा, तो उस पर कार्रवाई भी हो जाएगी। उसे सजा भी हो सकती है। उसके मोबाइल और लैपटॉप भी जप्त किए जा सकते हैं। सरकार यूट्यूबर की स्वतंत्रता पर लगाम लगाने के लिए ब्रॉडकास्ट बिल लेकर आई है। यह कहकर विरोध किया जा रहा है। सरकार से सवाल करना और विभिन्न तरीके की सूचनायें आदमी को विचारशील बनाती हैं। ब्रॉडकास्ट बिल के माध्यम से अब स्वतंत्र पत्रकारिता अथवा स्वतंत्र विचारों की अभिव्यक्ति जो अभी सोशल मीडिया के माध्यम से उपलब्ध हो रही थी। उस पर भी सेंसरशिप करने की तैयारी सरकार ने कर ली है। 20 दिसंबर को दिल्ली में डिजिटल पब्लिशर्स की संस्था डीजीपी पब ने ब्रॉडकास्ट बिल और टेलीग्राम बिल पर चर्चा आयोजित की थी। इस संगठन में 60 डिजिटल पब्लिशर शामिल हुए। इस बैठक में पत्रकारों ने ब्रॉडकास्ट बिल के प्रावधान को लेकर चिंता जाहिर की। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को किस तरीके से यह बिल प्रभावित कर रहें है। कैसे सोशल मीडिया के पत्रकारों को कानून की परिधि में लाकर,उनकी स्वतंत्रता को बाधित किया जा सकता है। इस पर काफी विस्तार से चर्चा की गई है। टेलीकॉम बिल सदन से पास हो गया है। ब्रॉडकास्ट बिल को अभी सदन में पेश नहीं किया गया है। लेकिन जैसे बिल का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यदि यह पेश होकर पास हो गया, तो सारे युटयूबर सरकार के चंगुल में आ जाएंगे। इस बैठक में कहा गया है, कि ब्रॉडकास्ट बिल और टेलीकम्युनिकेशन बिल तथा डाटा प्रोटक्शन बिल को अलग-अलग रूप से नहीं देखना चाहिए। यह तीनों एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। जिसका सीधा नियंत्रण सोशल मीडिया को नियंत्रित किए जाने का है। सरकार इन बिलों की खूबियों का जोर जोर से प्रचार प्रसार कर रही है। लेकिन सोशल मीडिया के पत्रकार कह रहे है कि वास्तविकता वह नहीं है, जो सरकार बता रही है। सरकार सूचनाओं, सवालों और मुद्दों को आम जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है। गोदी मीडिया में सरकार पूरी तरह से सफल हो चुकी है। लेकिन गोदी मीडिया से दर्शक विमुख होकर सोशल मीडिया की तरफ बढ़ रहे हैं। सरकार के लिए सोशल मीडिया को नियंत्रित करना, सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है। बिल के जो प्रावधान हैं,यदि वह लागू हो गए,तो व्हाट्सएप के माध्यम से भी परसन टू परसन और समूह में कम्युनिकेशन कर पाना संभव नहीं होगा। व्यक्ति और समूह को ब्रॉडकास्टर मानकर सरकार अब किसी के खिलाफ भी कार्यवाही कर सकेगी। टेली कम्युनिकेशन बिल और डाटा प्रोटक्शन बिल में भी यह स्थिति बन रही है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने टोटल एनर्जी के साथ जॉइंट वेंचर की प्रक्रिया पूरी की

मुंबई । जॉइंट वेंचर में भारत में विभिन्न क्षमताओं के सोलर और विंड पावर प्रोजेक्ट हैं। यह डेवलपमेंट सितंबर 2023 में एजीईएल और टोटल एनर्जी के बीच घोषित बाध्यकारी समझौते के अनुरूप है। इस अपडेट का अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर पर असर नहीं दिख रहा है। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी ने फ्रांस की कंपनी टोटल एनर्जी के साथ एक जॉइंट वेंचर बनाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस जॉइंट वेंचर में दोनों कंपनियों की हिस्सेदारी 50-50 प्रतिशत है। जॉइंट वेंचर में टोटल एनर्जी 30 करोड़ डॉलर का निवेश कर रही है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने इस बारे में शेयर बाजारों को सूचना दी है। कहा गया कि लेनदेन के हिस्से के तौर पर जॉइंट वेंचर में एजीईएल ने 300 मेगावॉट की ऑपरेशनल कैपेसिटी, 500 मेगावॉट के अंडर कंस्ट्रक्शन अन्य प्रोजेक्ट और 250 मेगावॉट के अंडर डेवलपमेंट एसेट्स का योगदान किया है। वहीं टोटल एनर्जी ने 30 करोड़ डॉलर का इक्विटी इनवेस्टमेंट किया है। यह डेवलपमेंट सितंबर 2023 में एजीईएल और टोटल एनर्जी के बीच घोषित बाध्यकारी समझौते के अनुरूप है। 1050 मेगावॉट के इस जॉइंट वेंचर में भारत में विभिन्न क्षमताओं के सोलर और विंड पावर प्रोजेक्ट हैं। अदाणी ग्रीन ने कहा कि इस लेनदेन के साथ, टोटल एनर्जी ने एजीईएल के साथ अपने रणनीतिक गठबंधन को मजबूत किया है और 2030 तक 45 गीगावॉट क्षमता के एजीईएल के लक्ष्य को हासिल करने में सपोर्ट दिया है।

स्टार्टअप और आईटी कंपनियों के लिए अच्छा नहीं रहा साल 2023

वित्तीय संकट के कारण कई लोगों की नौकरी गयी

नई दिल्ली । देश में ये साल रोजगार के नजरिये से अच्छा नहीं रहा। करोबार में कई के कारण कई दिग्गज आई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को बाहर कर दिया। स्टार्टअप के क्षेत्र में तो और भी खराब हालात रहे। कई 100 स्टार्टअप ने अपे 15,000 से अधिक कर्मचारियों को इस साल नौकरी से बाहर कर दिया। साल का अंत होते-होते पेटीएम ने भी अपने कर्मचारियों में कमी की। स्टार्टअप के लिए यह साल काफी कठिन रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार कई कंपनियों ने अपना खर्च कम करने के लिए कई लोगों को नौकरी से निकला दिया। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेल्फ ऑटोमेशन प्रणाली लागू होने से भी आईटी में कई लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। काम की कमी और वित्तीय संकट के कारण कई स्टार्टअप तो बंद तक हुए हैं। कोविड-19 के बाद से ही इन कंपनियों की हालत ठीक नहीं हुई थी। लॉकडाउन में बढ़ी हुई मांग के लिए जहां नए लोगों को नौकरियां दी गईं। वहीं इसके बाद मांग घटने के साथ ही इन लोगों को बाहर कर दिया गया। पैसे की कमी के कारण भी कंपनियों को अपना खर्च कम करने लोगों को हटाना पड़ा। अमरीका और यूरोप में आर्थिक कमी के चलते भी इन स्टार्टअप पर बुरा असर पड़ा। आईएमएफ और विश्व बैंक की रिपोर्टों ने भी ग्लोबल मंदी की आशंका जाहिर की। जिसके कारण बड़े पैमाने पर छंटनी शुरु हो गयी।

रिवाइज्ड आईटीआर फाइल करने की अंतिम तारीख 31 दिसंबर

नई दिल्ली । अगर आपके इनकम टैक्स रिटर्न में कोई गड़बड़ी है, और आपको अपना रिवाइज्ड आईटीआर फाइल करना है, तब आपके लिए 31 दिसंबर की तारीख अहम है। रिवाइज्ड आईटीआर भरने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर, 2023 है। जिन्हें अभी अपना रिवाइज्ड आईटीआर फाइल करना है, तब कर लें। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट इसतरह के टैक्सपेयर्स को आईटीआर रिवाइज करने के लिए मैसेज भी भेज रहा है। जानकारी है कि जिन लोगों ने 2022-2023 के लिए हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन किए हैं, उन ज़्यादातर लोगों को रिवाइज्ड आईटीआर भरने का मैसेज आ रहा है। अगर आपसे आईटीआर भरने में गलती हुई है, तब आपको रिवाइज्ड आईटीआर फाइल करना होगा। यह आईटीआर आपको इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 139(5) के तहत फाइल करना होगा। गड़बड़ी के अलावा, एक कारण ये भी होता है कि मान लीजिए आपने जुलाई से पहले आईटीआर भर दिया था, लेकिन इस असेसमेंट ईयर के लिए आपके कैलकुलेटेड टैक्स में कोई बदलाव आ गया है, या टीडीएस वगैरह एडजस्ट हुआ है, इससे आपके एआईएस यानी एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटस में बदलाव दिखेगा। इसके चलते भी आपको रिवाइज्ड आईटीआर भरना पड़ सकता है।

अडानी समूह ग्रीन एनर्जी में निवेश करेगा

नई दिल्ली ।

अडानी समूह की कंपनी ग्रीन एनर्जी में कंपनी के 9350 करोड़ रुपये निवेश करेंगे। अडानी ग्रीन एनर्जी ने कहा कि कंपनी की बोर्ड की हुई बैठक में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1480.75 रुपये शेयरों पर 9350 करोड़ रुपये के शेयर जारी करने पर अपनी मंजूरी दे दी है। इसके जरिए कंपनी अपने कर्ज के बोझ को कम करने के साथ पूजीगंत एक्सपेंडिचर पर खर्च करेगी। स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखिल रेग्यूलेटरी फाइलिंग में कंपनी ने बोर्ड बैठक में लिए गए इस फैसले की जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि अडानी ग्रीन एनर्जी के प्रमोटर्स को 1480.75 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 9350 करोड़ रुपये के प्रीफरेंशियल वारंट जारी करने पर बोर्ड ने मुहर लगा दी है। बोर्ड के इस फैसले पर अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि भारत रिन्यूएबल एनर्जी के मामले में ग्लोबल लीडर बनने की कगार पर है और अडानी ग्रीन एनर्जी इस रिवॉल्युशन की अगुवाई कर रहा है। प्रमोटर्स के निवेश की खबरों के बीच आज के कारोबार में अडानी ग्रीन एनर्जी का स्टॉक 4.38 फीसदी के उछाल के साथ 1600 रुपये पर क्लोज हुआ।

अडानी ग्रीन एनर्जी को फंड के लिये बोर्ड से मंजूरी मिली

शेयर बाजार बंद होने से पहले अडानी ग्रीन एनर्जी ने फंड जुटाने को बोर्ड से मंजूरी मिलने की जानकारी दी है। अडानी ग्रुप की ग्रीन एनर्जी के बोर्ड ने प्रेफरेंशियल आधार पर वॉरंट जारी कर 9350 करोड़ जारी करेगी। कंपनी ने मंगलवार को एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। इस जानकारी तुरंत बाद शेयर में तेजी बढ़ते दिखी। ग्रीन एनर्जी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार प्रोमोटर ग्रुप को प्रेफरेंशियल आधार पर वॉरंट जारी कर 9350 करोड़ जुटाए जाएंगे। ये 1,480.75 रुपये प्रति शेयर के भाव पर जारी होंगे। कंपनी इस फंड का इस्तेमल बैलेंस शीट डिलेवरेज करने के लिए करेगी। साथ ही 2030 तक 45 मेगा वाट की क्षमता विस्तार के लिए ग्रोथ कैपेक्स बढ़ाने के लिए करेगी। ग्रीन एनर्जी के शेयर मंगलवार को 5.48 फीसदी की बढ़त के साथ 1617.05 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ। हाल ही में कंपनी ने एसआसीआई के साथ 8000 मेगावाट सोलर पावर के लिए पावर पर्चेज एग्रीमेंट को पूरा किया है। कंपनी ने 22 दिसंबर को डील का एलान करते हुए कहा था कि सोलर पावर सप्लाई के लिए 1799 मेगावॉट का आखिरी चरण पूरा कर लिया गया है।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आये उछाल से बुधवार को घरेलू बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। इससे ये शीर्ष स्तर पर पहुंच रहा है। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा बाजार में सोना ऊपर आकर 2,065 डॉलर प्रति औंस और चांदी ऊपर आकर 24.39 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इससे इंदौर में सोना गत दिवस 63000 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले सोना इंदौर सराफा में 63150 नकद और 65050 आरटीजीएस में पहुंचा था। वहीं चांदी भी 150 रुपये बढ़कर 74750 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। सोने की कीमतों में आया उछाल मध्य पूर्व में हुए संघर्ष के कारण भी आया है। कीमतों में आई तेजी का कारण सोने में निवेश है। मार्च-मई 2023 के समय के अलावा अप्रैल 2022 से निवेश की मांग लगातार कम हुई है। पिछले महीने के लिए जो आंकड़े आए उससे भी यही पता चलता है। माना जा रहा है कि कीमतों में अभी तेजी बनी रहेगी। कामेक्स सोना ऊपर में 2065 तथा नीचे में 2052 डॉलर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 24.39 व नीचे में 24.12 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

आरबीआई गवर्नर के तौर पर राजन को मिलते थे प्रतिमाह 4 लाख रुपये

मुम्बई ।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रहे रघुराम राजन ने कहा है कि उन्हें इस पद पर रहते हुए 4 लाख रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता था। राजन ने कहा, आरबीआई गवर्नर के तौर पर उन्हें मिले वेतन से ज्यादा महत्व सरकारी घर का था। राजन ने कहा, आज आरबीआई गवर्नर की कितनी सैलेरी है इसकी उन्हें जानकारी नहीं है पर उनके दौर में 4 लाख रुपये सैलेरी मिला करते थे। राजन ने कहा, पर सबसे अहम आरबीआई गवर्नर का सरकारी घर है जो सबसे महंगे मालबार हिल्स इलाके में था। साथ ही कहा, उन्होंने एक बार अनुमान लगाया कि अगर इस घर को लीज पर ही दे दें तो आरबीआई के शीर्ष अधिकारियों का वेतन तक निकल सकता है। उन्होंने कहा कि गवर्नर का वेतन कैबिनेट सेक्रेटरी के समान है। उन्होंने कहा कि इस पद पर दूसरे सरकारी अधिकारियों के समान पेंशन नहीं मिलती है पर मेडिकल सुविधाएं मिलती है। राजन ने बताया कि अधिकतर आरबीआई गवर्नर को पेंशन इसलिए मिलती है कि क्योंकि वे सरकारी अधिकारी रहे हैं। राजन ने बताया कि उन्हें भी पेंशन की जरुरत नहीं है क्योंकि उनके पास पूर्णकालिक काम है। राजन ने कहा कि गवर्नर पद पर रहते हुए दूसरी सुविधाओं के तौर पर कार मिलती है साथ ही घर के रखरखाव के लिए भी राशि मिलती है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स पहली बार 72 हजार के ऊपर पहुंचा

निफ्टी 21600 के ऊपर निकला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी और धातु शेयरों में जबरदस्त खरीदारी से आया है। आजा कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। बाजार की तेजी से निवेशकों को आज 2.39 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 701.63 अंक तकरीबन 0.98 फीसदी ऊपर आकर 72038.43 और पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 213.40 अंक ऊपर आकर एक फीसदी की बढ़त के साथ ही 21654.75 पर बंद हुआ। सेंसेक्स आज पहली बार 72 हजार और निफ्टी पहली बार 21600 के ऊपर पहुंचा। कारोबार के दौरान आज बाजार में तेल एवं गैस और उर्जा को छोड़कर बाकी सभी इंडेक्स वाहन, बैंक और धातु में एक फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। वहीं बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी मामूली बढ़त पर बंद हुए। डॉलर के मुकाबले रुपया आज पांच महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया और 16 पैसे टूटकर बंद हुआ।बाजार को आज हर क्षेत्र के शेयरों से समर्थन मिला। एचडीएफसी बैंक के शेयर 1 फीसदी से अधिक ऊपर आये। हैवीवेट शेयर होने के चलते इंडेक्सों को इससे समर्थन मिला। बाजार की तेजी के चलते आज निवेशकों को जमकर लाभ हुआ। गत दिवस बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल बाजार पूंजीकर 358.92 लाख करोड़ रुपये था जो बुधवार को बढ़कर 361.31 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इससे निवेशकों को 2.39 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। वहीं 20 दिसंबर को मार्केट कैप का यह आंकड़ा 350.20 लाख करोड़ रुपये था इस प्रकार चार दिनों में बाजार की तेजी से निवेशकों को 11.11 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। सेंसेक्स के 28 शेयर आज लाभ के साथ ही बंद हुए। इसमें सबसे अधिक तेजी आज अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा मोटर्स के शेयरों में रही। वहीं दूसरी तरफ आज एनटीपीसी और टेक महिंद्रा में सबसे अधिक गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। वहीं गत दिवस भी बाजार उछाल के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 244.44 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 71,581.24 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी 83.40 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी की तेजी के साथ 21,524.70 अंक पर खुला। आज सुबह के कारोबार में एलटीआईमाइंडट्री, डिविस लैब्स, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड कॉर्प और ओएनजीसी के शेयरों में बढ़त रही। वहीं, हीरो मोटोकॉर्प, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, अपोलो हॉस्पिटल्स और मारुति सुजुकी के शेयर नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों और दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से ही बाजार में ये उछाल आया है। वहीं दुसरी ओर एशियाई बाजारों में, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में बढ़त रही जबकि सियोल में गिरावट दर्ज की गयी।

दूसरी तिमाही में व्यापार घाटे में कमी आई

नई दिल्ली ।

देश के व्यापार घाटे में कमी आई है। ये कमी वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में आई है। जानकारों के अनुसार मर्केंडाइज ट्रेड डेफसिट में कमी के साथ ही सर्विसेज एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी के कारण चालू खाते में ये कमी आई है। रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में ये घाटा कम होकर 8.3 बिलियन डॉलर रहा है जो कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक फीसदी है। वहीं इससे पहले तिमाही में ये घाटा 9.2 बिलियन डॉलर रहा था जो कि जीडीपी का 1.1 फीसदी है। एक साल पहले वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में चालू वित्तीय घाटा 30.9 बिलियन डॉलर रहा था जो कि डीजीपी का 3.8 फीसदी था। आरबीआई ने कहा कि 2023-24 की दूसरी तिमाही में व्यापार घाटा घटकर 61 बिलियन डॉलर रहा है जबकि ये साल 2022-23 की दूसरी तिमाही में 78.3 बिलियन डॉलर रहा था। वहीं सर्वेसिज एक्सपोर्ट में 4.2 फीसदी की तेजी आई है। विशेष रुप से सॉफ्टवेयर निर्यात, बिजनेस और ट्रैवल सर्विसेज के निर्यात में तेजी से व्यापार घाटे में कमी आई है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान भुगतान संतुलन की स्थिति पर जारी आंकड़ों के अनुसार, '' चालू खाते का घाटा मौजूदा वित्त वर्ष

की जुलाई-सितंबर तिमाही से घटा है। इसका कारण वस्तु व्यापार घाटे (वस्तु निर्यात-आयात का अंतर) भी कम होना है। यह 2023-24 की दूसरी तिमाही में 61 अरब डॉलर रहा जो 2022-23 की दूसरी तिमाही में 78.3 अरब डॉलर था। इससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 में चालू खाते का घाटा बढ़कर जीडीपी का 2 फीसदी रहा था जबकि 2021-22 में इसमें 1.2 फीसदी की कमी देखने में आई थी। वहीं साल 2022-23 में 265.3 बिलियन डॉलर व्यापार घाटा देखने को मिला जो 2021-22 में 189.5 बिलियन डॉलर व्यापार घाटा रहा था।

कई जगहों पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव

जयपुर । घरेलू बाजार में बुधवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। इससे राजस्थान के जयपुर में डुंगरपुर में पेट्रोल के दाम 72 पैसे और डीजल के 64 कम हुए हैं। यहां अब डीजल और पेट्रोल की कीमत 94.78 और 109.64 रुपए प्रति लीटर पहुंच गयी है। वहीं जयपुर की बात करें तो यहां कीमतों में बदलाव नहीं आया और पेट्रोल पहले की तरह ही 108.48 और डीजल 93.72 रुपए प्रति लीटर है। इसके अलावा प्रदेश के अलवर, बारां, भरतपुर, बीकानेर, आदि में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुछ पैसों की कमी आई। वहीं अजमेर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, चित्तौड़गढ़, हनुमानगढ़, जालौर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, नागौर, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, टोंक और सीकर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हल्की बढ़त रही।

जर्मन की हियरिंग एड कंपनी भारतियों की जिंदगी में ला रही है बदलाव

नई दिल्ली ।

पीयूष कुमार जैन से जुड़ी हियरिंग एड कंपनी से उनकी जिंदगी बदल देगी। 2017 में हियरिंग एड कंपनी के संस्थापक डॉ मार्को वीटोर ने पीयूष जैन को जर्मन हियरिंग एड तकनीक के बारे में बताया। जर्मन हियरिंग एड के इंजीनियरों ने रिसर्च और डवलपमेंट में सालों साल मेहनत करके एक इतनी आधुनिक और छोटे आकार वाला हियरिंग एड विकसित किया जो आसानी से कान के पीछे छिप जाता है।

डॉ विएटर ने जब पियूष जैन से इस टेक्नोलॉजी को भारतीय बाजार में लाने की बात कही तो शुरू में पियूष हिचकिचाए वह जानते थे कि उनकी माँ की सुनने की शक्ति धीरे-धीरे खो रही थी, लेकिन वह किसी भी कीमत पर हियरिंग एड नहीं लगवाना चाहती थीं क्योंकि उन्हें लगता था कि मशीन बहुत बड़ी होने से अच्छी नहीं लगती है। वह सोचती थीं कि सुनने की मशीन लगाने से वह बहुत बुजुर्ग लगने लगेंगी। नवीनतम जर्मन हियरिंग एड की गुणवत्ता और डॉ विएटर के दावों को परखने के लिए पियूष ने अपनी माताजी से उनका एक हियरिंग एड इस्तेमाल करने को कहा।

यह हियरिंग एड न केवल मेरी माँ की दुनिया में बदलाव लेकर आये बल्कि मेरे पूरे परिवार के जीवन को भी बदल दिया। हर प्रकार के पारिवारिक कार्यक्रम और टीवी देखने के समय बातचीत और गपशप बहुत आसान हो गयी। जिस पल से मेरी माँ ने इस हियरिंग एड को लगाना शुरू किया उसी पल से मेरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गयी हालाँकि शुरूआती कुछ दिनों तक उन्हें थोड़ा असहज महसूस हुआ फिर धीरे-धीरे वह सहज हो गयीं। 2-3 हफ्तों के बाद तो वह हियरिंग एड को निकालना ही नहीं चाहती थीं।

जब मुझे एहसास हुआ कि मेरी माँ को हियरिंग एड के इस्तेमाल के लिए मनाना कितना मुश्किल था जबकि उनके जीवन पर हियरिंग एड का कितना अधिक सकारात्मक असर हुआ तब न केवल मैंने मार्को के ऑफर को स्वीकार कर लिया बल्कि मैंने कंपनी का यह मिशन संभव बनाने का फैसला किया कि भारत की हर माँ हियरिंग एड पहन सके। तभी से कंपनी भारत में तेजी से बढ़ रही है।

59 प्रतिशत भारतीय कर्मचारी एआई को अपनाने के लिए तैयार : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत में लगभग 59 प्रतिशत कर्मचारी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स को अपनाने और उपयोग करने की अपनी क्षमता में आश्वस्त हैं,

जो दर्शाता है कि अगले साल काम पर एआई की व्यापक स्वीकृति होने की संभावना है।इस बीच, ग्लोबल हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वे में शामिल केवल 19 प्रतिशत नियोक्ताओं ने 2024 में वर्कप्लेस पर अगली जनरेशन की टेक्नोलॉजी जैसे जेनरेटिव एआई को पहले ही लागू कर दिया है या लागू करने की प्रक्रिया में हैं। 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार, एआई को प्रभावी ढंग से अपनाने के लिए नियोक्ताओं की रणनीति का एक अभिन्न अंग यह सुनिश्चित करना होगा कि वे नैतिक एआई सिद्धांतों का पालन करें। नियोक्ताओं का यह भी मानना है कि ह्यूमन-एआई कोलैबोरेशन बढ़ाना (37 प्रतिशत) और स्किल्स की मांग (25 प्रतिशत) को पूरा करने के लिए कार्यबल को रीस्किल/अपस्किल करना प्रमुख रणनीतियां होंगी, जिन्हें वे लागू करना चाहते हैं। इनडीड इंडिया के बिक्री प्रमुख शशि कुमार ने कहा, डेटा एनालिसिस, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सेल्स इंजीनियर, प्रोजेक्ट मैनेजर और डिजाइनर जैसी भूमिकाओं की व्यापकता नियोक्ताओं द्वारा मांगी जाने वाली विशेषज्ञता के विविध परिदृश्य को दर्शाती है।÷

जल्द महिंद्रा एक्सयूवी 300 के फेसलिफ्ट मॉडल लांच होगा

मुंबई ।

अधिकांश महिंद्रा एसयूवी जैसे एक्सयूवी 700, स्कॉर्पियो-एन और थार अपने-अपने खंड में पंसद की जा रही हैं। लेकिन, एक्सयूवी 300 को समान स्तर की लोकप्रियता नहीं हासिल हुई है, भले ही यह हर महीने लगातार कंपनी को बिक्री संख्या प्रदान करती रहती है। कंपनी बहुत जल्द महिंद्रा एक्सयूवी 300 के फेसलिफ्ट वैरिएंट को मार्केट में लांच करने की तैयारी कर रही है, जिसके साथ कंपनी बेहतर परिणामों पर नजर रखेगी, जिसे 2024 की पहली छमाही में लांच करने की योजना है। कंपनी एक्सटीरियर और पैनोरमिक सनरूफ जैसे नए फीचर्स के साथ एक्सयूवी 300 फेसलिफ्ट की लॉचिंग के बाद एसयूवी की स्ट्रॉन्ग डिमांड देख सकती है। एक्सयूवी 300 फेसलिफ्ट के टेस्ट म्यूल्स को हाल ही में महिंद्रा के नासिक प्लांट के पास देखा गया था। एक्सयूवी 300 फेसलिफ्ट के एक्सटीरियर में फ्रंट फेसिया और रियर सेक्शन को रिफ्रेश किया गया है। इस्तेमाल की गई डिजाइन लैंग्वेज महिंद्रा की अपकमिंग बीई रेंज की इलेक्ट्रिक एसयूवी के समान है। कुछ प्रमुख विशेषताओं में खास सी-साइज के एलईडी डीआरएल, अपडेटेड हेडलैंप और ताजा फ्रंट ग्रिल और बंपर शामिल हैं। रियर की तरफ सी-साइज के लाइटिंग एलिमेंट भी देख सकते हैं। इसमें बूट लिड और बंपर लुक मिलता है। साइड प्रोफाइल काफी हद तक पहले जैसा ही है। टेस्टिंग म्यूल में अलॉय व्हील्स मौजूदा मॉडल के समान हैं। हालांकि, यह संभव है कि टॉप-स्पेक वैरिएंट में अलॉय व्हील का एक नया सेट मिल सकता है। एक्सयूवी 300 फेसलिफ्ट के लिए कुछ नए कलर ऑप्शन भी हैं। एक्सयूवी 300 फेसलिफ्ट को बड़े पैनोरमिक टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ देखा जा सकता है। ऐसा लगता है कि यह 10.25 इंच की यूनिट है। फिलहाल, मौजूदा मॉडल 7-इंच टचस्क्रीन से लैस है। एक्सयूवी 300 में एक नई डिजिटल इंस्ट्रूमेंट स्क्रीन भी मिलेगी। इसमें सेंट्रल कंसोल को भी अपडेट किया गया है। टेस्ट म्यूल में बेज अपहोल्स्ट्री है, जो मौजूदा मॉडल के साथ पहले से ही उपलब्ध है। स्टीयरिंग व्हील भी वैसा ही लगता है। एक्सयूवी 300 भारत की सबसे सुरक्षित कारों में से एक है, इस ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में 5-स्टार एडल्ट सेफ्टी रेटिंग मिली है। संभव है कि एक्सयूवी 300 को भारत एनसीएपी द्वारा भी प्रमाणित किया जा सकता है। मौजूदा मॉडल में 6-एयरबैग, हिल होल्ड असिस्ट, कॉर्नर ब्रेकिंग कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ईएसपी), फ्रंट पार्किंग सेंसर और सभी 4-डिस्क ब्रेक समेट दो दर्जन से अधिक सुरक्षा फीचर्स मिलते हैं।

फिटनेस और हेल्थ से जुड़ी कंपनियों की कमाई में हो रहा जोरदार इजाफा

नई दिल्ली ।

दौड़ने वाले जूतों और जॉगर्स से लेकर डंबल और योगा मैट तक, लगभग आधा दर्जन प्रमुख खेल ब्रांडों की बिक्री पिछले दो वर्षों में महामारी के दौरान और उसके बाद से बढ़ी है। हेल्थ के बारे में बढ़ती जागरूकता और एथलेटिक्स वियर की बढ़ती मांग के कारण क्षेत्र की कंपनियों ने भारत में अपना कारोबार दोगुना कर लिया है।

रिपोर्ट के अनुसार प्यूमा, डेकाथलॉन, एडिडास, स्केचर्स और एसिक्स जैसे ब्रांडों ने वित्त वर्ष 2011 के बाद से साल-दर-साल 35-60 प्रतिशत की वृद्धि की है और वित्त वर्ष 2023 में 11,617 करोड़ रुपए का संयुक्त राजस्व किया है। दो साल पहले इन ब्रांडों की बिक्री कुल मिलाकर 5,022 रुपए करोड़ थी। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के लिए फिटनेस परिधान और खेल उपकरण की मांग बढ़ी है क्योंकि लोगों ने कोरोना की शुरुआत के बाद स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। कंपनी प्रमुख ने कहा, स्वास्थ्य और फिटनेस पर बढ़ते फोकस के परिणामस्वरूप सभी उम्र के लोग तकनीकी और परफार्मेंस जूतों की तलाश में हैं। दौड़ना हमारे लिए सबसे तेजी से बढ़ती श्रेणियों में से एक है, साथ ही 45 वर्ष से अधिक उम्र के

वयस्कों द्वारा चलने वाले जूतों की खोज में उल्लेखनीय उछाल आया है। कुल मिलाकर खेल और एथलेटिक्स श्रेणी देश में औसत परिधान और जूतों के बाजार की तुलना में तेजी से बढ़ रही है।

अपनी खुद की फर्म एजिलिटास स्पोर्ट्स शुरू करने वाले ने कहा, कैजुअलाइजेशन और स्नीकराइजेशन का एक स्पष्ट चलन है और यह केवल खेल या अवकाश गतिविधियों के दौरान ही प्रतिबंधित नहीं है। भारत अब केवल क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं रह गया है, क्योंकि हम देखते हैं कि उपभोक्ता तेजी से दौड़, फुटबॉल और जिम जैसी अन्य गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं।

1.4 अरब की आबादी के साथ भारत फुटवियर कंपनियों के लिए सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजारों में से एक है। अधिकांश वैश्विक ब्रांड भारत में दो दशकों से अधिक समय से मौजूद हैं और क्रिकेट तथा अन्य खेल गतिविधियों में भागीदारी के माध्यम से अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के कारण आगे बढ़े हैं।

भारत-दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट

साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम 245 रनों पर सिमटी, केएल राहुल ने खेली शतकीय पारी

सेंचुरियन (एजेंसी)। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बुधवार को सेंचुरियन में पहली पारी में 245 रन बनाए। भारत की ओर से लोकेश राहुल ने सर्वाधिक 101 रन बनाए जबकि विराट कोहली ने 38 रन की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से कागिसो रबादा ने पांच जबकि नांद्रे बर्गर ने तीन विकेट चटकाए।

दरअसल, बारिश के कारण मैच देर से शुरु हुआ। इसके साथ ही दूसरे दिन भारत ने आठ विकेट पर 208 रनों से आगे खेला शुरू किया। केएल राहुल और मोहम्मद सिराज ने स्कोर 238 रनों तक पहुंचाया। सिराज पांच रन बनाकर आउट हुए और फिर केएल राहुल ने छक्के के साथ अपना शतक पूरा किया। केएल राहुल की ये पारी इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज होगी, क्योंकि उन्होंने जिस तरह से दबाव में ये पारी खेली है वो वाकई काबिले तारीफ है। केएल राहुल 101 रन बनाकर नांद्रे बर्गर का शिकार बने और भारतीय टीम इस तरह से 245 रनों पर ऑलआउट हो गई। बता दें कि, टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले ही घंटे में उसके टॉप 3 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए थे। रोहित शर्मा 5, यशस्वी जायसवाल 17 और शुबमन गिल 2 रन बनाकर आउट हो गए। जिसके बाद भारत ने महज 24 रन पर 11.1 ओवर में 3 विकेट गंवा दिए थे। नांद्रे बर्गर ने 5 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट झटके। मार्को यानसेन और गेराल्ड कोएत्जी को विकेट नहीं मिला। साउथ अफ्रीका ने पहले सत्र में 4 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में अपना डेब्यू किया।

इस कारण दक्षिण अफ्रीका में अब तक सीरीज नहीं जीत पायी है भारतीय टीम: बांगर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने भारतीय टीम के अभी तक दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाने का कारण बताया है। बांगर के अनुसार भारतीय टीम ने अब तक यहां कई बड़ी क्रिकेट सीरीज नहीं खेली है। ऐसे में टीम को हालाते के अनुसार ढ़लने का अवसर नहीं मिला है। इसके साथ ही वह दक्षिण अफ्रीका में हालातों के अनुसार अपने खेल को बेहतर तरीके से नहीं ढाल पायी है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'भारत ने दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है क्योंकि वे 2 या 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलते हैं। वहीं अगर उन्हें चार या पांच मैचों की टेस्ट सीरीज मिलती है तो परिणाम कुछ ओर रहा होता।

इस खिलाड़ी के अनुसार जब तक भारतीय खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीकी विकेट और वहां के माहौल के अनुरूप खेल को ढालते हैं तब तक छोटी सीरीज समाप्त हो जाती थी। ऐसी स्थिति में भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरी तरह से उभरकर सामने नहीं आ पाता था।

इस बार भी भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज ही खेल रही है। हालांकि इस बार भारतीय टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण अच्छा है। जिसका उसे लाभ मिलेगा। वैसे भी दक्षिण अफ्रीका में तेज गेंदबाज ही अधिक चलते हैं। दक्षिण अफ्रीकी धरती पर टीम इंडिया ने अब तक 23 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से सिर्फ चार में उसे जीत मिली है जबकि 12 मैच मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने जीते हैं जबकि सात ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम के अब तक दक्षिण अफ्रीका से उसके मैदान पर टेस्ट सीरीज न जीतने का कारण बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों का एक साथ बेहतर प्रदर्शन न कर पाना भी एक कारण है।

राहुल ने शानदार पारी खेली: गावस्कर

-कठिन हालातों में दिखाया कौशल : इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ,सुनील गावस्कर और ऑलराउंडर इरफान पठान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के एल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। राहुल ने यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में विकेट के पतझड़ के बीच ही एक छोर संभाले रखा। उन्होंने बारिश की बाधा के बीच ही पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन नाबाद 70 रन बनाए। गावस्कर ने कहा कि पारी किसी शतक से कम नहीं कही जा सकती। गावस्कर ने कहा, राहुल की पारी की पारी किसी अर्धशतक से कम नहीं कही जा सकती है। दूसरे दिन उसको उसको एक भी रन बनाने को मिलेगा या नहीं, यह इस पर निर्भर करता है कि निचले क्रम के बल्लेबाज उनके साथ कैसी बल्लेबाजी करते हैं। भले ही उसे आगे रन नहीं मिलें पर मेरे लिए यही रन एक शतक जितने अच्छे हैं। राहुल की पारी से ही भारतीय टीम ने पहले दिन 200 रनों से अधिक बनाये।

वहीं पठान ने कहा, शानदार लॉफ्टेड ड्राइव, मैदान पर शानदार शॉट, जबरदस्त पुल, बेहतरीन लीव्स, मजबूत डिफेंस। राहुल की इस पारी में यह सब कुछ है। कठिन हालातों में कौशल का अभूतपूर्व प्रदर्शन। गौरतलब है कि राहुल करियर में पहली बार टेस्ट क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज मध्य क्रम में खेल रहे हैं। उन्होंने काफी समय तक टेस्ट में पारी की शुरुआत की है, लेकिन अब नई जिम्मेदारी उनको मिली है। इस मैच में मजबान टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था जो सही साबित हुआ और भारतीय बल्लेबाज अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। राहुल की पारी से ही भारतीय टीम पहले दिन 200 रनों तक पहुंच पायी।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, पहले टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराया

नेपियर (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज लिटन दास की नाबाद 42 रन की धैर्य पूर्ण पारी की मदद से बांग्लादेश ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया।

बांग्लादेश में शनिवार को तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड को 98 रन पर आउट करके इस देश में सीमित ओवरों की क्रिकेट में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। इसके चार दिन बाद बांग्लादेश ने पहली नौ गेंद के अंदर तीन विकेट हासिल किये और न्यूजीलैंड को 9 विकेट पर 134 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड की तरफ से जिमी नीशाम ने सर्वाधिक 48 रन बनाए जबकि कप्तान मिशेल सेंटनर ने 23 रन का योगदान दिया। बांग्लादेश की तरफ से शोरिफुल इस्लाम ने तीन जबकि मुस्तफिजुर रहमान और मेहदी हसन ने दो-दो विकेट लिए। इसके जवाब में बांग्लादेश ने 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 137 रन बनाकर जीत दर्ज की और तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई। लिटन दास ने 36 गेंद की अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का लगाया। अंतिम ओवरों में मेहदी हसन ने नाबाद 19 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे नडाल और ओसाका

ब्रिस्बेन। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल और नाओमी ओसाका रविवार से यहां शुरू होने वाले ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिकी ओपन की पूर्व चैंपियन ओसाका मां बनने के बाद खेल में वापसी करेंगी और उन्होंने बुधवार को यहां अभ्यास सत्र में भाग लेकर तैयारी भी शुरू कर दी। ओसाका पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हट गई थी और बाद में उन्होंने खुलासा किया था कि वह गर्भवती थी। नडाल भी चोट से उबरने के बाद वापसी करने के लिए तैयार हैं। उन्हें ब्रिस्बेन में विंबलडन फाइनलिस्ट माटेओ बेरेटिनी और 2020 के अमेरिकी ओपन चैंपियन डोमिनिक थिएम की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी होल्गर रून इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सर्वाधिक रैंकिंग के खिलाड़ी हैं। अमेरिका के बेन शेल्टन और तीन बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन एंडी मर्रे भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। महिला वर्ग के एकल में ओसाका के अलावा मौजूदा ऑस्ट्रेलियाईओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका, एलेना रयबाकिना, येलेना ओस्टापेंको, विक्टोरिया अजारेंका, सोफिया केनिन और सलोन स्टीफंस इस प्रतियोगिता में अपना भाग्य आजमाएंगे।

रबाडा 500 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के तेज़ गेंदबाज़ कगीसो रबाडा ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन अपने 500 विकेट पूरे किये। रबाडा ने पहले दिन भारतीय टीम के खिलाफ पांच विकेट लेकर अपने 500 विकेट का आंकड़ा पूरा किया। रबाडा ने मुकाबले के पहले ही दिन विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे प्रमुख बल्लेबाज़ों के विकेट लिए। रबाडा अपनी तेजी और सटीक लाइन लेंथ के लिए जाने जाते हैं। 2014 में अतर्राष्ट्रीय डेब्यू करने वाले रबाडा ने अब तीनों प्रारुपों में प्रभावित किया है। इस तेज गेंदबाज ने अब तक अपने करियर में 60 टेस्ट, 101 एकदिवसीय और 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। टेस्ट की 108 पारियों में गेंदबजी करते हुए उन्होंने 22.34 की औसत से 280 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सात विकेट पर 112 रन रहा है। इसके अलावा एकदिवसीय की 99 पारियों में उन्होंने 27.77 की औसत से 157 विकेट लिए हैं। उनका एकदिवसीय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 16 रन देकर छह विकेट रहा है। टी20 अंतरराष्ट्रीय की 56 पारियों में इस अफ्रीकी तेज़ गेंदबाज़ ने 29.87 की औसत से 58 विकेट लिए हैं, जिसमें 20 रन देकर तीन विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। इसके अलावा बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने टेस्ट की 93 पारियों में 897, एकदिवसीय की 42 पारियों में 360 और टी20 की 21 पारियों में 147 रन बनाए हैं।

पांड्या अफगानिस्तान के खिलाफ शायद ही खेल पायें, आईपीएल खेलना तय

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में शायद ही खेल पायें। पांड्या अभी तक अपने टखने की चोट से नहीं उबर पाये है। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज तक उनका फिट होना संभव नजर नहीं आता है हालांकि उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) तक फिट होने की पूरी संभावनएं हैं। ऐसे में पांड्या आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी करते हुए दिखेंगे। पांड्या को विश्वकप में बांग्लादेश के खिलाफ लीग चरण के मैच में चोट के कारण बाहर होना पड़ा था। इसी कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला से भी बाहर रहे। इसके अलावा वह दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान तीन मैचों की टी20आई और एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर है। दक्षिण अफ्रीका में सूर्यकुमार यादव ने सभी टी20आई मैचों में भारत का नेतृत्व किया जबकि केएल राहुल ने एकदिवसीय टीम की कप्तानी की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भारत का अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। इस साल मुंबई इंडियंस ने ट्रेड करार के जरिये गुजरात टाइटंस से लिया था। साल 2022 में इस ऑलराउंडर की कप्तानी में गुजरात ने खिताब जीता था। पांड्या के पास अब एमआई के नए कप्तान के रूप में बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि टीम का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था। उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तानी दी गयी है। पांड्या ने 2015-2021 तक मुम्बई की ओर से 92 मैच भी खेले थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे रिकॉर्ड में सुधार करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

मुम्बई (एजेंसी)। लगातार दो टेस्ट मैच में जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की सीरीज में अपने इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ रिकॉर्ड में सुधार करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम इस समय शानदार फॉर्म में चल रही है। उसने इंग्लैंड को रिकॉर्ड 347 रन से हराने के बाद वानखेड़े स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज की थी।

वनडे सीरीज के सभी मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत आगामी मैचों में अपना विजय अभियान जारी रखने को लेकर प्रतिबद्ध है लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इस बात से अच्छी तरह वाकिफ होगी कि ऑस्ट्रेलिया को हराना आसान नहीं होगा, जिसका 50 ओवर के प्रारूप में शुरू से दबदबा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए 50 वनडे मैचों में भारत केवल 10 मैच में जीत दर्ज कर पाया है जबकि 40 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। घरेलू मैदानों पर भारत का रिकॉर्ड अधिक खराब है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी धरती पर जो 21 वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसने केवल चार मैच जीते हैं, जबकि 17 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। भारत ने फरवरी 2007 से लेकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी धरती पर जो सात मैच खेले हैं उन सभी में उसे हार झेलनी पड़ी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में पिछले दो वनडे मैच मार्च 2012 में खेले थे, जिनमें उसे 221 रन और 5 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

इस सीरीज का पहला मैच अहमदाबाद में खेला गया था जिसमें आस्ट्रेलिया ने 30 रन से जीत दर्ज की थी। लेकिन अब भारत के पास हरमनप्रीत के रूप में नई कप्तान और अमोल मजूमदार के रूप में नया कोच है। भारतीय टीम के पास यह 2025 में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों की शुरुआत करने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने रिकॉर्ड में सुधार करने का मौका है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली इस श्रृंखला के लिए अपनी टीम में श्रेयंका पाटिल, सैका इसाक, मन्नत कश्यप और टिटास साधु के रूप में नए चेहरे शामिल किए हैं। भारत की तरफ से इस साल तीन वनडे मैच में जेमिमा रोड्रिग्स ने सर्वाधिक 129 रन बनाए हैं वहीं ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी ने 11 मैचों में एक शतक और दो अर्द्धशतक के साथ 387 रन बनाए हैं।

तीन भारतीय स्पिन ऑलराउंडरों को महान गेंदबाज मानते हैं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम भी भारतीय टीम के तीन स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडरों रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा और अक्षर पटेल को महान मानते हैं। ये तीनों की खिलाड़ी गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी पीछे नहीं हैं। इससे इन तीनों ने ही स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडरों की एक विशेष सूची में जगह बनायी है। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम की एक तस्वीर वायरल हुई है जिससे पता चलता है कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी इन भारतीय स्पिन ऑलराउंडरों को महत्व देते हैं। सोशल मीडिया पर आई एक तस्वीर में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ एक व्हाइटबोर्ड के सामने खड़े दिख रहे हैं जिसपर कुछ नाम लिखे हुए हैं। इसमें हैडलाइन थी। इतिहास के महानतम स्पिन ऑलराउंडर। इस सूची में डेनियल विटोरी, सर गारफील्ड सोबर्स, रवींद्र जडेजा, शाकिब अल हसन, रविचंद्रन अश्विन, ट्रैविस हेड, रिची बेनॉड, समित पटेल और अक्षर पटेल का नाम था। गौरतलब है कि कि टेस्ट ऑलराउंडरों की आईसीसी रैंकिंग में भारत के जडेजा और अश्विन पहले और दूसरे नंबर पर हैं। वहीं बांग्लादेश के शाकिब अल हसन तीसरे जबकि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स चौथे स्थान पर हैं। 5वें स्थान पर भारत के अक्षर हैं। अक्षर स्पिन गेंदबाज होने के साथ ही एक आक्रामक बल्लेबाज भी हैं। इसके अलावा वह किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं।

भारतीय ओलंपिक संघ ने डब्ल्यूएफआई के लिए 3 सदस्यीय समिति गठित की, भूपेंद्र सिंह बाजवा होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस में अगले साल होने वाले ओलंपिक के मद्देनजर भारतीय ओलंपिक संघ ने भारतीय कुश्ती महासंघ को चलाने के लिए तीन सदस्य समिति का गठन किया है। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई 2024 से 11 अगस्त 2024 तक होंगे। भूपेंद्र सिंह बाजवा को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है जबकि एमएम सोमाया और मंजूषा कंवर को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इनका काम डब्ल्यूएफआई के विभिन्न कार्यों और गतिविधियों की देखरेख करना रहेगा जिसमें खिलाड़ियों का चयन, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए खिलाड़ियों के नाम भेजना, खेल आयोजनों का आयोजन, पर्यवेक्षण और बैंक खातों का प्रबंधन शामिल है। इससे पहले खेल मंत्रालय ने गत रविवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया क्योंकि नवनिर्वाचित संस्था ने पहलवानों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिए बिना अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन की 'जल्दबाजी में घोषणा' की थी।

गौर हो कि डब्ल्यूएफआई के चुनाव 21 दिसंबर को हुए थे जिसमें पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह और उनके पैनल ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। इसके बाद पहलवानों ने आपत्ति जताई थी। साक्षी मलिक ने संन्यास ले लिया जबकि बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने क्रमश पद्मश्री तथा खेल रत्न, अर्जुन अवॉर्ड लौटाने की घोषणा की। खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, 'नए निकाय ने डब्ल्यूएफआई संविधान का पालन नहीं किया। हमने महासंघ को बर्खास्त नहीं किया है बल्कि अगले आदेश तक निलंबित किया है। उन्हें बस उचित प्रक्रिया और नियमों का पालन करने की जरूरत है।' सूत्र ने निलंबन के कारणों के बारे में बताते हुए कहा, 'डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने 21 दिसंबर 2023 को अध्यक्ष चुने जाने के दिन ही घोषणा की कि कुश्ती के लिए अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप साल खत्म होने से पहले ही उत्तर प्रदेश के गोंडा के नंदिनी नगर में होगी।' उन्होंने कहा, 'यह घोषणा जल्दबाजी में की गई है। उन पहलवानों को पर्याप्त सूचना दिए बिना जिन्हें उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेना है। डब्ल्यूएफआई के संविधान के प्रावधानों का पालन भी नहीं किया गया।'

लियोन आने वाले समय में भी खेलेंगे : टेलर

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की फिटनेस काफी अच्छी है और वह 40 साल की उम्र में भी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर आने वाले समय में भी वह खेलते नजर आते हैं तो किसी को भी हैरानी नहीं होनी चाहिये। लियोन ने अब तक 500 से अधिक टेस्ट विकेट लिए हैं और वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई और कुल मिलाकर आठवें गेंदबाज हैं। लियोन ने इससे पहले कहा थ कि वह इंग्लैंड में साल 2027 एशेज सीरीज तक टीम में बने रहना चाहते हैं हालांकि तब तक वह 39 वर्ष के हो जाएंगे। टेलर ने कहा, मुझे आगे भी उनके खेलने पर कोई हैरत नहीं होगी क्योंकि वह अभी भी खेलने को लेकर बहुत उत्साहित है और मैंने हाल ही में उससे बात की थी। अगर वह अभी भी खेल का आनंद ले रहा है और विकेट ले रहा है तो अगर वह 40 के करीब पहुंच जाता है तो उसके खेलने में कुछ गलत नहीं है। मुझे नहीं लगता कि उसे जल्दबाजी में इसे छोड़ देना चाहिये। 123 मैचों में 501 विकेट के साथ लियोन अभी सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने की सूची में मुथैया मुरलीधरन 800, शेन वार्न 708, जेम्स एंडरसन 690, अनिल कुंबले 619, स्टुअर्ट ब्रॉड 604, ग्लेन मैकग्राथ 563, और कर्टनी वॉल्श 519 के बाद आठवें स्थान पर है। टेस्ट क्रिकेट में एक गेंदबाज के रूप में लियोन के स्थान को लेकर उन्होंने कहा, मुझे इतिहास के बारे में बातें कहना पसंद नहीं है क्योंकि यह अब बहुत अलग है। आज के लोग और यहां तक कि मेरे युग के लोग, हमने बहुत सारे खेल खेले हैं। यदि आप इतिहास में नंबर दो कहते हैं, तो इसका मतलब है कि आप ऐसे लोगों के बारे में भूल रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट में अबतक प्रभावित नहीं कर पाये हैं शुभमन

सेंचुरियन (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल एक बार फिर टेस्ट प्रारुप में संघर्ष करते दिखे हैं। एकदिवसीय में जहां शुभमन ने इस साल शानदार प्रदर्शन कर कई रिकार्ड बनाये हैं। वहीं वह टेस्ट प्रारुप में प्रभावित नहीं कर पाये हैं। यहां दक्षिण अफ्रीक के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में शुभमन केवल 2 रन ही बना पाये। उन्होंने 12 गेंदों पर 2 रन रन बनाए। अपनी पारी के दौरान वह सहज नहीं दिखे। वह तेज गेंदबाजों की उछल वाली गेंदों को खेल नहीं पा रहे थे। इस साल वेस्टइंडीज दौरे पर शुभमन ने अपना बल्लेबाजी क्रम भी सलामी बल्लेबाज से बदलवाकर तीसरे नंबर पर किया था। इसके बाद भी उनकी बल्लेबाजी बेहतर नहीं हो पायी।

इस युवा बल्लेबाज के टेस्ट क्रिकेट के प्रदर्शन पर नजर डाली जाए तो वह कहीं से भी बेहतर नहीं कजा जा सकता। इस युवा ने टेस्ट क्रिकेट में अंतिम बार शतक ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ अहमदाबाद में लगाया था। उसके बाद से ही वह 13, 18, 6, 10, 29 और अब 2 रन बनाकर पेवेलियन लौटे हैं।

वहीं टीम प्रबंधन को उनसे बड़ी पारीयों की उम्मीद थी। इस युवा बल्लेबाज ने अब तक 18 मैचों में 32.20 के औसत और 2 शतक 4 अर्धशतक से अबतक कुल 966 रन बनाए हैं।

शुभमन के बल्लेबाजी आंकड़ों पर नजर डाले तो वह एकदिवसीय के ही बल्लेबाज बनकर रह गये हैं। उन्होंने अब तक 44 एकदिवसीय में 6 शतक और 61.37 के औसत और 103.46 के स्ट्राइक रेट से 2271 रन बनाए हैं। शुभमन ने एकदिवसीय विश्वकप 2023 में 9 मैचों में 44.25 के औसत और 106.94 के स्ट्राइक रेट से 354 रन बनाए हैं। वहीं इस युवा ने अब तक अब तक 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 26.00 के औसत और 145.11 के स्ट्राइक रेट से 312 रन बनाए हैं, इसमें एक शतक शामिल है। इससे साफ है कि वह टेस्ट के अलावा टी20 में भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर पाये हैं।

नए साल में बना रहे घूमने का प्लान तो...

मलेशिया को करें एक्सप्लोर, वीजा पर नहीं खर्च होगा एक भी पैसा

नए साल को आने में कुछ दिनों का समय बचा है। नए साल पर कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं, तो वहीं कुछ लोग विदेश घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल पर विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बता दें कि घूमने के शौकीन लोगों के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आई है।
दरअसल, भारत और चीन के नागरिकों को 1 दिसंबर से मलेशिया में वीजा फ्री एंट्री मिल रही है। ऐसे में आप बिना वीजा पर एक पैसा खर्च किए मलेशिया घूमने का प्लान बना सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने अपने एक भाषण के दौरान यह घोषणा की।
इन देशों के नागरिक कर सकेंगे वीजा फ्री यात्रा

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अनुसार, चीनी और भारतीय नागरिक बिना वीजा के 30 दिनों तक मलेशिया की सैर कर सकते हैं। हांलाकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वीजा फ्री एंट्री कब तक लागू रहेगी।

इन देशों में कर सकेंगे वीजा फ्री एंट्री

आपको बता दें कि इस लिस्ट में अब कई देशों का नाम शामिल हो गया है, जहां पर भारतीय नागरिक वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं। मलेशिया के अलावा भारतीय नागरिक श्रीलंका और थाईलैंड में भी वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं।

भारत और चीन, मलेशिया के चौथे और पांचवें सबसे बड़े सोर्स मार्केट की लिस्ट में शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से जून के बीच मलेशिया में 9.16 मिलियन पर्यटक आए। जिनमें से भारत के 2,83,885 पर्यटक और चीन के 4,98,540 पर्यटक शामिल रहे। वहीं कोरोना महामारी से पहले साल 2019 में भारत से 3,54,486 और चीन से 1,5 मिलियन लोग मलेशिया पहुंचे थे।

वीजा के लिए आवेदन

थाईलैंड ने अपने महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और सुस्त अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया। इस साल चीनी और भारतीय नागरिकों को भी यह छूट मिली है। हांलाकि वर्तमान समय में भारतीय और चीनी पर्यटकों को मलेशिया जाने के लिए वीजा का आवेदन करना पड़ता है।

जर्मनी के प्रचलित शहरों में से एक कोलोन

जर्मनी के प्रमुख शहरों में से एक कोलोन में जमीन पर तो अब रोम साम्राज्य के अधिक अवशेष दिखाई नहीं देते हैं परंतु जमीन के तले आज भी रोम साम्राज्य के प्रभुत्व के प्रमाण मौजूद हैं। एक सीढ़ी की मदद से नीचे उतरने पर रहस्यमयी अंधेरे से घिरे दूसरी सदी की एक कब्रगाह तक पहुंचा जा सकता है।
विभिन्न पौराणिक जीवों की आकृतियों से सजा एक विशाल ताबूत यहां दिखाई देता है ।इसका ढक्कन हटाया गया है जिसके भीतर झांकने पर सारा डर दूर हो जाता है क्योंकि इसमें कोई भयावह चीज नहीं बल्कि दो कुर्सियां रखी दिखाई देती हैं। पहली नजर में ये कुर्सियां आजकल की आम कुर्सियां जैसी प्रतीत होती हैं परंतु ध्यान से देखने पर इनका महत्व महसूस होने लगता है क्योंकि इन कुर्सियों को बेहद कलात्मक ढंग से चूना पत्थर से करीब 1800 वर्ष पहले तैयार किया गया था।
इन भूमिगत हिस्सों में सब कुछ बेहद प्राचीन है। बेशक कई सौ वर्ष पूर्व कोलोन वासी रोम साम्राज्य से आजाद हो गए थे और जमीन से तो इसके अधिकतर अवशेष हटा दिए गए परंतु जमीन के नीचे आज भी कोलोनिया क्लाऊडिया अरा एग्रीप्पिनेनसियम (वह उपनिवेश जिससे यह नगर विकसित हुआ) के अवशेष बाकी हैं। गवर्नर के महल प्रायटोरियम का पता ही नहीं चलता यदि द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर का मध्य हिस्सा तबाह न हुआ होता।
आज पर्यटक इस महल के अवशेषों की सैर कर सकते हैं जो सोमवार को छोड़ कर सप्ताह के बाकी दिन खुला रहता है ।इसके ठीक साथ प्राचीन गटर है ।रोमन 100 किलोमीटर दूर एफिल पहाडि़यों से ताजा पानी कोलोन तक लाए थे जबकि गंदे पानी की निकासी वे राइन नदी में करते थे ।इसके लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल प्राचीन रोमन करते थे उसका पता अन्यों को 19वीं सदी में जाकर लगा था।
इस जर्मन शहर में रोम साम्राज्य के कई नए अवशेषों का भी पता चलता रहा है, विशेषकर भूमिगत रेलवे के लिए की जाने वाली खुदाई के चलते कई अवशेषों का पता चल रहा है ।हालांकि शहर के भीतरी हिस्से में रहने वाले किसी भी इंसान को प्राचीन अवशेषों का पता चल सकता है ।1965 में एक व्यक्ति को अपने घर के बेसमैंट की खुदाई में कुछ पत्थरों से बने हिस्से मिले थे जो एक प्राचीन स्मारक निकला ।आज यह रोमन-जर्मेनिक म्यूजियम की शोभा बढ़ा रहा है ।इससे पहले 1941 में भी एक बंकर की खुदाई के दौरान एक खोज हुई थी।
तब भगवान डाइओनीसोस का एक मोजायक मिला था जिसमें 15 लाख टाइल्स लगी थीं। यदि आप जानना चाहें कि प्राचीन रोम वासी किस तरह से स्पा का आनंद लिया करते थे तो आपको कोलोन से निकल कर करीब स्थित जुएलपिच कस्बे तक जाना होगा। वहां म्यूजियम ऑफ बैथ कल्चर में प्राचीन रोम के स्नानागारों के संरक्षित अवशेष सहेज कर रखे गए हैं। संग्रहालय में मॉडल्स बना कर रोम कालीन स्नानागारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है ।गहरे रंग में रंगे स्नानागारों में कपड़े बदलने के लिए लॉकर रूम बने हैं।
स्वीटिंग या हॉट बैथ में स्नान करने से पहले शरीर पर तेल लगाया जाता था या मालिश करवाई जाती थी। फिर करीब 40 डिग्री तक गर्म पानी में स्नान किया जाता था। बाद में वे ठंडे पानी में नहाते थे ।स्नानागारों में केश विन्यासक, चिकित्सक तथा रसोइए भी मेहमानों की सेवा में मुस्तैद रहते थे।
स्नानागारों के नीचे गुलाम लगातार आग जला कर रखते थे जिसकी ऊष्मा फर्श तथा दीवारों बने छिद्रों से होकर स्नानागार तक पहुंचती रहती थी।
जब आग के लिए लकड़ी पाने के लिए आस-पास के जंगलों के पेड़ों को काट कर खत्म कर दिया गया तो प्राचीन रोम वासी ब्लैक फॉरेस्ट से लकड़ी काट कर राइन नदी के रास्ते कोलोन तक पहुंचाने लगे थे ।उस वक्त अभिजात्य वर्ग के रोम वासियों के लिए विशेष शौचालय भी बनाए गए थे जहां वे एक साथ बैठ कर निवृत्त होते हुए विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया करते थे। इतिहास पर नजर डालें तो कोलोन की खूबियों ने रोमन साम्राज्य का मन पूरी तरह मोह लिया था।
इतिहास बताता है कि हर किसी ने कोलोन को अपना बनाने की कई कोशिशें कीं ।यह रोमन साम्राज्य का एक बड़ा केंद्र रहा। 2 हजार साल पहले राइन नदी के किनारे रोमन साम्राज्य का विस्तार केंद्र कोलोन ही था। रोम शासकों ने यहां अपनी व्यापारिक चैकी स्थापित की थी और नाम दिया था कोलोनिया। रोमन दौर की निशानियां कोलोन में आज भी यहां वहां बिखरी हुई हैं। राइन नदी इलाके में व्यापार का प्रमुख रास्ता रहा है और इसकी बदौलत कोलोन की समृद्धि भी रही। मध्ययुगीन दौर में रोमन शासन के बनाए 12 चर्च और किले सरीखे तीन नगर द्वार कोलोन की विशिष्टता रहे हैं।

मॉरीशस: समुद्र का निराला संसार

दुनिया के बीच डेस्टिनेशन में जिन जगहों को मुख्य रूप से गिना जाता है उनमें मॉरीशस टॉप पर है। हिंद महासागर के नीले गहरे पानी में स्थित मॉरीशस अनूठा है। रंग, संस्कृति और स्वाद में जो विविधता यहां है, वह यहां गुजारे पलों को यादगार बना देती है। इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि लगभग पूरे साल यहां का मौसम लगभग एक सरीखा रहता है। ना बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है और न ज्यादा ठंड। दिसंबर से मार्च के महीने सबसे ज्यादा बारिश वाले होते हैं, इसलिए उनको छोड़कर बाकी पूरे साल यहां कभी भी जाया जा सकता है। मॉरीशस के सफेद रेतीले तट कोरल रीफ बैरियर से सुरक्षित हैं। यहां का लगभग समूचा तट कोरल रीफ से घिरा है, सिवाय दक्षिणी सिरे के कुछ अपवाद को छोड़कर। इसीलिए बाकी तटों पर समुद्र जहां शांत होता है, वहीं दक्षिणी हिस्से में वह बहुत अशांत है। वहां चत्रनी तट पर समुद्र की पछाड़ें देखकर आप मुग्ध हो सकते हैं।
मॉरीशस के मुख्य द्वीप के चारों ओर कई छोटे-छोटे निर्जन द्वीप भी हैं। हम भारतीयों के लिए मॉरीशस उन जगहों में से है, जहां से हमारा भावनात्मक लगाव है। हमारी संस्कृति साझी है और लोग भी। राजधानी पोर्ट लुई पश्चिमी तट पर स्थित है। उत्तर का इलाका मैदानी है और यहां देश के कई सबसे खूबसूरत बीच हैं। समुद्र तटों की रंगीनियत भी सबसे ज्यादा इसी इलाके में है। वहीं पूर्वी मॉरीशस के समुद्र तट सुकून से कुछ पल बिताने के लिए हैं। यहां के समुद्र तट की खूबसूरती खोह और लैगून में हैं। यहां ब्लू बे और बेले मेरे सबसे लोकप्रिय समुद्री इलाकों में से हैं। उधर पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी तट रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग हैं। यहां आप सर्फिंग, स्नोर्कलिंग, डीप शी फिशिंग, जैसे ज्यादातर समुद्री खेल का आनंद आप ले सकते हैं। यहां टेमेरिन बे के आसपास आप डॉल्फिन भी देख सकते हैं। दक्षिणी इलाके का रंगरूप बाकी देश से पूरी तरह अलग है। ग्रिस-ग्रिस ही मॉरीशस के समुद्री तट का अकेला ऐसा इलाका है जहां कोरल रीफ नहीं हैं। वहां किनारे ऊंची पहाड़ियां और गहरी खाइयां देखने को मिल जाएंगी। मॉरीशस का भीतरी इलाका संस्कृति के विभिन्न रंगों से रंगा है। यहां की शिवरात्रि आपको भारत की शिवरात्रि जैसी ही लगेगी।

कैसे जाएं

मॉरीशस के लिए दिल्ली व मुंबई आदि शहरों से कई एयरलाइंस की उड़ानें हैं। दिल्ली से मॉरीशस की सीधी उड़ान लगभग साढ़े सात घंटे का समय लेती है। कई उड़ानें दुबई के रास्ते भी हैं। मॉरीशस का वापसी किराया दिल्ली से 26 हजार रुपये से शुरू हो जाता है। मॉरीशस जाना बेशक महंगा है लेकिन वहां रुकने के लिए लग्जरी रिजॉर्ट के अलावा बजट होटल भी बड़ी आसानी से मिल जाएंगे।

इस एक स्थान पर होती है तीन धर्मों की यात्रा

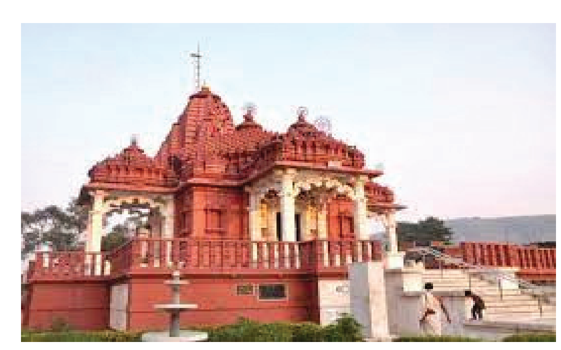

संसार भर में भारत ही ऐसा देश है जहां विभिन्न धर्मों से जुड़े लोग एकजुट होकर रहते हैं। बहुत से ऐसे स्थान हैं जहां विभिन्न धर्मों के पवित्र स्थल एक ही स्थान पर स्थापित हैं। उन्हीं में से एक तीर्थ है राजगृह। राजगृह हिन्दू, बौद्ध और जैन तीनों धर्मों के अनुयायीयों का तीर्थ है। पुरातन काल में राजगृह मगध की राजधानी हुआ करती थी तत्पश्चात मौर्य साम्राज्य आया। महाभारत में राजगृह को तीर्थ माना गया है। राजगृह के समीप अरण्य में जरासंध की बैठक नाम की एक बारादरी अवस्थित है।

हिन्दू तीर्थ

यहां प्रवाहित होने वाली सरस्वती नदी को स्थानीय लोग प्राची सरस्वती कहते हैं। सरस्वतीकुण्ड से आधा मील की दूरी पर सरस्वती को वैतरणी कहा जाता है। इस नदी के तट पर पिण्डदान और गोदान का बहुत महत्व है इसलिए यहां प्रत्येक धर्म-समुदाय के लोग पिण्डदान करते हैं। यहां मार्कण्डेयकुण्ड, व्यासकुण्ड, गंगा-यमुनाकुण्ड, अनन्तकुण्ड, सप्तर्षिधारा और काशीधारा हैं। जिनके समीप बहुत से देवी-देवताओं के मंदिर अवस्थित हैं।

बौद्ध तीर्थ

पुरातन काल में इस स्थान पर बौद्धों के 18 विहार हुआ करते थे। राजगृह मुख्य बौद्ध तीर्थ है क्योंकि महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन काल का बहुत बड़ा हिस्सा यहां व्यतित किया था। वर्षा के चार महीने यहीं व्यतीत किया करते थे।

जैन तीर्थ

जैन तीर्थ पंच पहाड़ों पर स्थित है। इक्कीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ का जन्म इसी पहाड़ी पर हुआ था। यही उनकी तपो भूमी थी। मुनिराज धनदत्त और महावीर के बहुत सारे गणधर इसी स्थान से मोक्ष को प्राप्त हुए थे। जैनयात्री यहां विशेष रूप से दर्शनों के लिए आते हैं।

जेल से रिहा होते ही फिर गिरफ्तार हुए पीटीआई उपाध्यक्ष महमूद कुरैशी

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 67 वर्षीय पूर्व विदेश मंत्री और उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी को बुधवार को अदियाला जेल के बाहर से दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया।उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह उन्हें सिफर मामले में जमानत दी थी। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, टीवी चैनलों पर प्रसारित और सोशल मीडिया पर पीटीआई द्वारा साझा की गई वीडियो फुटेज में 67 शाह महमूद कुरैशी पुलिस की कार्रवाई को गैर कानूनी करार देते हुए चिल्ला-चिल्लाकर विरोध कर रहे थे। वीडियो फुटेज में पंजाब पुलिस की वर्दी पहने एक अधिकारी उन्हें बख्तरबंद वाहन में धकियाते हुए नज़र आ रहे हैं।पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सिफर मामले में जमानत पर रिहाई के बाद कुरैशी को अदियाला जेल के बाहर से दोबारा गिरफ्तार कर लिया है। पार्टी ने कहा कि रावलपिंडी के उपायुक्त हसन वकार चीमा द्वारा मंगलवार को कुरैशी की 15 दिन की हिरासत के लिए जारी आदेश वापस ले लिया गया था। फिलहाल पुलिस ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

अमेरिकी सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बरसाए बम

वाशिंगटन। क्रिसमस की रात हिजबुल्लाह के ठिकानों पर अमेरिका ने जमकर बमबारी की। रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि ये हमले राष्ट्रपति जो बाइडेन के आदेश पर और क्षेत्र में गठबंधन बलों के खिलाफ समूहों द्वारा किए गए हमलों के जवाब में किए गए थे।उन?होंने एक बयान में कहा, उन हमलों में से एक 25 दिसंबर को एरबिल एयर बेस पर हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप तीन अमेरिकी कर्मी घायल हो गए थे।एयर बेस पर हमले के चलते एक सेवा सदस्य की हालत गंभीर हो गई।ऑस्टिन ने कहा, मेरी प्रार्थनाएं उन बहादुर अमेरिकियों के साथ हैं जो घायल हुए हैं।उन?होंने कहा,और मैं स्पष्ट कर दूं - राष्ट्रपति और मैं संयुक्त राज्य अमेरिका, हमारे सैनिकों और हमारे हितों की रक्षा के लिए जरूरी कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। ऑस्टिन ने कहा, कोई उच्च प्राथमिकता नहीं है। जबकि हम ऐसा नहीं चाहते, क्षेत्र में संघर्ष को बढ़ाने के लिए हम अपने लोगों और हमारी सुविधाओं की सुरक्षा के लिए और जरूरी उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध और पूरी तरह से तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार,यूएस सेंट्रल कमांड कमांडर जनरल माइकल एरिक कुरिला ने एक बयान में कहा, इन हमलों का उद्देश्य इराक और सीरिया में गठबंधन बलों पर हमलों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार तत्वों को जवाबदेह ठहराना और हमले जारी रखने की उनकी क्षमता को कम करना है।हम हमेशा अपनी सेनाओं की रक्षा करेंगे।राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने कहा कि राष्ट्रपति को आज सुबह हमले के बारे में तुरंत जानकारी दी गई, और उन्होंने रक्षा विभाग को जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्रतिक्रिया विकल्प तैयार करने का आदेश दिया।मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि बाद में ऑस्टिन के साथ एक कॉल पर बाइडेन ने कातिब हिजबुल्लाह और संबद्ध समूहों द्वारा उपयोग किए जाने वाले तीन स्थानों पर हमले का आदेश दिया, जो विशेष रूप से मानव रहित हवाई ड्रोन गतिविधियों पर केंद्रित थे।वॉटसन के बयान में कहा गया है, राष्ट्रपति नुकसान पहुंचाने वाले अमेरिकी कर्मियों की सुरक्षा से बढ़कर कोई प्राथमिकता नहीं रखते हैं।

कांगो में बारिश और बाढ़ से 22 लोगों की मौत, कई लापता

कनंगा(कांगो)। मध्य कांगो में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है। जिनमें एक ही परिवार के 10 लोग शामिल हैं, एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रांत के गवर्नर जॉन काबेया ने कहा कि कसाई सेंट्रल प्रांत के कनंगा जिले में घंटों तक हुई बारिश ने कई घरों को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि जीवित बचे लोगों की तलाश में बचाव प्रयास तेज कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआत में बताई गई 17 मौतों के अलावा को पांच और मौतों की पुष्टि की गई है। काबेया ने कहा कि दीवार गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई, सभी बिकुकु में एक ही परिवार के सदस्य थे। गैर सरकारी संगठन के कंट्री निदेशक नथाली कंबाला के अनुसार, बाढ़ के कारण भारी क्षति हुई थी. बताया जा रहा है कि भारी बारिश के कारण कांगो के कुछ हिस्सों खासकर दूरदराज के इलाकों में अक्सर बाढ़ आती है। मई में, पूर्वी कांगो के दक्षिण किवु प्रांत में रात भर हुई मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन में 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। काबेया ने कहा कि इस बार आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त संरचनाओं में कनंगा का उच्च प्रौद्योगिकी संस्थान, साथ ही एक चर्च और एक प्रमुख सड़क भी कट गई है, उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सरकार से तत्काल कार्रवाई का अनुरोध किया जाएगा. पूर्वी कांगो में रविवार देर रात भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 लोग लापता हो गए हैं।

ईरान अत्याधिक संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बढ़ा रहा

वियना ।अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने सदस्य देशों को भेजी रिपोर्ट में कहा है कि ईरान ने हाल के हफ्तों में करीब-करीब आयुध श्रेणी के यूरेनियम की उत्पादन दर में वृद्धि कर दी है। आईएईए महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने रिपोर्ट में कहा कि ईरान ने हाल के हफ्तों में अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम के उत्पादन में वृद्धि की है, जो 2023 के मध्य से उत्पादन में कटौती के विपरीत है।ईरान ने पहले वह दर धीमी कर दी थी जिस पर वह 60 प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम संवर्धन कर रहा था।60 प्रतिशत शुद्धता के साथ संवर्धित यूरेनियम और 90 प्रतिशत शुद्धता के साथ संवर्धित आयुध श्रेणी के यूरेनियम के बीच बस एक छोटे और तकनीकी कदम की दूरी है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने कहा कि उसके निरीक्षकों ने नवंबर के अंत से नटानज और फोर्डो स्थित संयंत्रों में उत्पादन की बढ़ी हुई दर को लगभग नौ किलोग्राम प्रति माह तक सत्यापित किया है, जो जून के बाद की तीन किलोग्राम प्रति माह की दर से अधिक है और यह उत्पादन के पहले के स्तर पर वापसी को दर्शाता है।

फिलिस्तीनियों के शवों को जब्त कर मेडिकल शोध कर रहा इजराइल

तेल अवीव ।इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल हेर्जी हालेवी ने कहा है कि गाजा में हमास के खिलाफ जंग कई महीने चलेगी।इस बीच एक रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सैनिक गाजा में मारे गए फिलिस्तीनियों के शव चुरा रही है। सैनिक इन शवों से किडनी, लिवर, दिल जैसे अंग भी चुरा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइली सेना ने 80 फिलिस्तीनियों के शव चुराकर -40 डिग्री सेल्सियस के तापमान में रखा ताकि उनके अंग निकाले जा सकें। ह्यूमन राइट मॉनिटर का कहना है कि 2021 तक इजराइल में एक ऐसा कानून पारित किया गया जो इजराइली सैनिकों को फिलिस्तीनियों के शवों को जब्त करने का अधिकार देता है।जिसके बाद से इन शवों और अंगों पर इजराइली मेडिकल स्कूल में एक्सपेरिमेंट होते हैं। इसके पहले इजराइली सेना पर फिलिस्तीनियों के शवों को बुलडोजर से कुचलने और गाजा के कब्रिस्तानों को टैंकों से तबाह करने के आरोप लगे हैं।

न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास में मनाया गया शहीदी दिवस

वॉशिंगटन ।26 दिसंबर को साहिबजादों-जोरावर सिंह और फतेह सिंह के शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे सरहिंद (पंजाब) में छह और नौ साल की उम्र में शहीद हो गए थे। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने वीर बाल दिवस के मौके पर गुरु गोबिंद सिंह के बेटों की वीरता को उजागर करने वाली एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। जिस स्थान पर अंतिम सिख गुरु के पुत्रों को जिंदा दफनाया गया था वह वर्तमान फतेहगढ़ साहिब है। दूतावास की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर गुरु गोविंद सिंह के बेटों द्वारा किए गए असाधारण वीरता और अद्वितीय बलिदान को याद करने के लिए एक प्रदर्शनी आयोजित की। इस दौरान बहादुरों को श्रद्धांजलि दी गई। वीर साहिबजादे को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य शामिल हुए। वाणिज्य दूतावास ने कहा कि एक स्थानीय गुरुद्वारे के पुजारी के अनुरोध पर 28 दिसंबर तक वाणिज्य दूतावास परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और कनेक्टिकट के गुरुद्वारों में भी आयोजित किया जाएगा। इससे पहले, न्यूयॉर्क में भारत के कार्यवाहक महावाणिज्य दूत डॉ. वरुण जेफ ने क्वींस में गुरुद्वारा बाबा माखन शाह लुबाना का दौरा किया और वीर साहिबजादे को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इंडोनेशिया में आई भीषण बाढ़ के कारण कई घर डूब गये।

रूस भारत के बीच बिजली उत्पादन पर हुआ समझौता

मॉस्को। भारत और रूस ने तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र की भविष्य की बिजली उत्पादन इकाइयों के निर्माण से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग पर रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ व्यापक और रचनात्मक बैठक के बाद यह ऐलान किया। इस बैठक के दौरान परमाणु ऊर्जा और औषधि, फार्मास्युटिकल पदार्थ और चिकित्सीय उपकरणों के समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी और उप प्रधानमंत्री मंतुरोव की मौजूदगी में, हमने कुडनकुलम परमाणु परियोजना की भविष्य की इकाइयों से जुड़े कुछ बहुत महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। रूस की सरकारी मीडिया के अनुसार, कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र रूस की तकनीकी सहायता से तमिलनाडु में बनाया जा रहा है। इसका निर्माण मार्च 2002 में शुरू हुआ था. फरवरी 2016 के बाद से कुडनकुलन परमाणु ऊर्जा संयंत्र की पहली ऊर्जा इकाई लगातार काम कर रही है, इसकी डिजाइन क्षमता 1,000 मेगावाट की है. संयंत्र के 2027 में पूरी क्षमता के साथ काम शुरू करने की उम्मीद है। बैठक के दौरान जयशंकर ने व्यापार, वित्त, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, नागरिक उड्डयन और परमाणु क्षेत्रों में प्रगति का उल्लेख किया। भारतीय समुदाय को दिए संबोधन में उन्होंने रक्षा, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे कुछ क्षेत्रों में रूस को विशेष भागीदार बताया। उन्होंने कहा कि रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु (ऊर्जा) के क्षेत्रों में उन देशों के साथ सहयोग किया जाता है, जिनके साथ आपका उच्च स्तर का भरोसा है।

अब अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ा तनाव, एक दूसरे को दे रहे धमकी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमन शांति इस धरती से गायब होती जा रही है। एक देश दूसरे देश से भिड़ने को उतावला है। यही कारण है कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनातनी की खबरें आने लगीं है। इसके पीछे का कारण एक आतंकी संगठन बना हुआ है। पाकिस्तान का कहना है कि आतंकी संगठन तहरीके तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पाक शहरों में लगातार हमले कर रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी को अफगानिस्तान में पनाह मिल रही है और अफगान सरकार उसे बैन करे। इसको लेकर पाक सरकार और सेना कई बार अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को चेतावनी भी दे चुकी हैं। इस पर अफगानिस्तान ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि हम किसी की धमकी के आगे झुकते नहीं हैं। भले ही सोवियत संघ या फिर अमेरिका ही क्यों न हो।

पाकिस्तान की चेतावनियों पर अफगानिस्तान की सरकार में विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने करारा जवाब दिया है। मुत्ताकी ने कहा है कि सोवियंत संघ और अमेरिका के सामने भी अफगान जनता नहीं झुकी तो किसी और की धमकी से हम क्या डरेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि टीटीपी के साथ समझौते में पाक सरकार ही पीछे हटी थी, वो इसमें किसी और की गलती ना निकालें। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरिम अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने ईरान में पाकिस्तान के सीनेटर मुशाहिद हुसैन के साथ बातचीत के दौरान कहा कि पाकिस्तान और टीटीपी के बीच

अधिकांश मुद्दों को सुलझा लिया गया था लेकिन ऐन मौके पर इस्लामाबाद पीछे हट गया। मुत्ताकी ने ये भी कहा कि उनकी सरकार टीटीपी के मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दों को सुलझाने की इच्छुक है, वो वार्ता से कभी पीछे नहीं हटे हैं।मुत्ताकी का कहना है कि पाकिस्तानी अधिकारियों और टीटीपी नेतृत्व के बीच कई बैठकों के बाद अधिकांश मुद्दों को सुलझा लिया गया। दोनों पक्ष अफगान तालिबान की मध्यस्थता में समझौता करने के करीब थे।

एकमात्र मुद्दा पूर्ववर्ती संघीय प्रशासित जनजातीय क्षेत्रों (फाटा) के विलय का बचा था। टीटीपी फाटा विलय को उलटना चाहता था लेकिन बातचीत से पाकिस्तान पीछे हटा और इसलिए गतिरोध बना हुआ है। पाकिस्तान ने इससे पहले टीटीपी पर बातचीत से हटने का आरोप लगाया था। मुत्ताकी ने पाक से दो टूक कहा कि दबाव डालने पर अफगानिस्तान अलग प्रतिक्रिया करता है। वह किसी की भी धमकी को नहीं मानता है। मुत्ताकी ने ये तक कह दिया कि आप दबाव डालतकर किसी अफगान को स्वर्ग जाने के लिए भी मजबूर नहीं कर सकते। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमेरिका को मिली असफलता का भी इशारा अफगान मिनिस्टर ने किया। साथ ही उन्होंने पाक से कहा है कि घटनाओं पर बहुत अतिरंजित प्रतिक्रिया न करें, ये सीमा को बंद करने का बहाना बन जाती हैं। सीमा पार व्यापार और घटना-दुर्घटनाओं को अलग रखा जाना चाहिए। पाकिस्तान संयमित प्रतिक्रिया दे और हमारे सामने अपनी बात रखे तो हम उस पर सभी जरूरी कदम उठाएंगे।

महादेव ऐप घोटाले के आरोपी सौरभ चंद्राकर को दुबई से लिया हिरासत में

दुबई (एजेंसी)। महादेव ऐप घोटाला मामले के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को दुबई में हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, दुबई पुलिस ने सौरभ चंद्राकर को नजर बंद कर दिया है। दुबई में एक घर में उसे नजरबंद करके रखा गया है। सौरभ चंद्राकर के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। मुख्य आरोपी सौरभ के खिलाफ इंटरपोल ने एजेंसी (ईडी) की गुजारिश पर रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया हुआ है। ईडी के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर और एक अन्य प्रमोटर रवि उप्पल यूएई में एक सेंट्रलाइज्ड ऑफिस से महादेव सट्टेबाजी ऐप को ऑपरेट कर रहे थे। इसके साथ ही मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन का काम भी किया जा रहा था।

जांच एजेंसी के मुताबित करीब 6000 करोड़ का यह घोटाला है। बता दें कि ईडी के अनुरोध पर इंटरपोल ने आरोपियों के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। ईडी ने महादेव ऐप को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। ईडी के मुताबिक, महादेव ऐप को ऑपरेट करने वाले सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल पाकिस्तान में डी-कंपनी का सहयोग कर रहे थे। जांच में ये भी खुलासा हुआ है कि डी कंपनी के

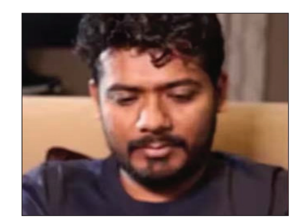

इशारे पर सौरभ चंद्राकर ने ऐप को संचालित करने के लिए दाऊद इब्राहिम के भाई मुस्तकीम इब्राहिम कासकर के साथ साझेदारी की और इस ऐप को बनाया था। भारत सरकार ने महादेव बुक सहित 22 अवैध सट्टेबाजी ऐप्स और वेबसाइटों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी। सरकार ने इन सभी ऐप्स और वेबसाइटों को ब्लॉक कर दिया था। ईडी की तरफ से किए गए रिक्वेस्ट के बाद केंद्र सरकार की तरफ से यह कार्रवाई की गई थी। ईडी ने अपनी जांच में इन ऐप के संचालन को गैरकानूनी बताया था। बता दें कि महादेव ऐप से कुछ ही महीनों में देशभर से 12 लाख से ज्यादा लोग जुड़ गए थे। इसके जरिए क्रिकेट से लेकर चुनाव तक में सट्टा लगाने के लिए लोग इस ऐप का इस्तेमाल करने लगे थे। इस घोटाले में बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों का नाम भी सामने आया था। कई लोगों को इसको लेकर समन भेजा गया था।

किम जोंग उन ने साल के अंत में देश की उपलब्धियों की प्रशंसा की

मास्को (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने वर्ष 2024 के लिए नीति लक्ष्य निर्धारित करने के वास्ते एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठक की। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2023 में राष्ट्रीय शक्ति को मजबूत करने और देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाली उपलब्धियों और सफलताओं की प्रशंसा की।

सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि सत्तारूढ़ 'वर्कर्स पार्टी' की साल के अंत में होने वाली पूर्ण बैठक के दौरान उत्तर कोरिया संभवत-हथियारों के विकास में अपनी प्रगति का प्रचार करेगा, क्योंकि देश में लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और महामारी से संबंधित आर्थिक कठिनाईयों के बीच आर्थिक उपलब्धियों का अभाव है।

कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, मंगलवार को बैठक की शुरुआत में किम ने वर्ष 2023 को ÷नाम और वास्तविकता दोनों में शानदार परिवर्तन और बदलाव का वर्ष बताया। केसीएनए ने कहा कि नवंबर में अपने पहले सैन्य जासूसी उपग्रह के प्रक्षेपण और अन्य परिष्कृत हथियारों की शुरूआत की बदौलत उत्तर कोरिया ने इस साल अपनी रक्षा क्षमताओं में तेजी से प्रगति की है।

केसीएनए ने कहा कि उत्तर कोरिया ने भी इस साल फसल के अच्छे उत्पादन की सूचना दी, क्योंकि देश ने समय से पहले नई सिंचाई सुविधाओं का निर्माण पूरा कर लिया। वर्कर्स पार्टी की बैठक कई दिनों तक चलने की उम्मीद है, जिसमें इस वर्ष की राज्य परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी और अगले वर्ष के लिए नए उद्देश्य स्थापित किए जाएंगे।

आतंकी हाफिज सईद ने पाकिस्तान को दिखाया इस्लामिक स्टेट का सपना

-चुनावी वादों का दौर शुरु, नई पार्टी से उतारा बेटे को मैदान में

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान में फरवरी 2024 के आम चुनाव में आतंकी हाफिज सईद ने भी अपनी पार्टी पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के साथ अपने प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं। उसने देशभर में प्रत्येक राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। बता दें कि हाफिज ने अपने बेटे तल्हा सईद को भी उम्मीदवार बनाया है। वो लाहौर से चुनाव लड़ रहा है।

इतना ही नहीं, हाफिज से जुड़ा संगठन पाकिस्तान की जनता को बरगलाने के लिए सियासी एजेंडा लेकर भी आया है। उसकी पार्टी चुनाव में इस्लामिक स्टेट का सपना दिखा रही है। हालांकि उसकी बातों और दावों पर भरोसा करने वाले कितने लोग हैं, ये चुनावी नतीजे के बाद साफ हो सकेगा। लेकिन, पाकिस्तान में बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे युवा रोजगार चाहते हैं। बता दें कि हाफिज मोहम्मद सईद मुंबई में 26/11 आतंकी हमले का मास्टरमाइंड है। इस हमले में छह अमेरिकियों समेत 166 लोग मारे गए थे। उसे अमेरिका ने भी उसके संगठन को आतंकी घोषित कर रखा है। यूएस पर उस पर 1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा है।

बता दें कि फिलहाल लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक हाफिज मोहम्मद सईद प्रतिबंधित जमात-उद-दावा के कुछ अन्य नेताओं के साथ 2019 से जेल में है। उसे आतंकी फंडिंग मामलों में दोषी ठहराया गया है। सईद के नेतृत्व वाला लश्कर-ए-तैयबा का फ्रंटल संगठन है, ये 2008 के मुंबई हमले को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार है। बताया जा रहा है ?कि हाफिज का बेटा तल्हा सईद भी पाकिस्तान की राजनीति में उतरा है। वो लाहौर की एनए-127 सीट से चुनाव लड़ रहा है। पीएमएमएल का चुनाव चिह्न कुर्सी है। पार्टी द्वारा चुनावी सभाओं में कहा जा रहा है कि वो देश को एक इस्लामी कल्याणकारी राज्य बनाना चाहते हैं।

एक वीडियो संदेश में पीएमएमएल के अध्यक्ष खालिद मसूद सिंधु ने कहा, उनकी पार्टी अधिकांश राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा, हम भ्रष्टाचार के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सेवा करने और पाकिस्तान को एक इस्लामिक कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं। बता दें कि सिंधु भी चुनावी मैदान में हैं। वो लाहौर की एनए-130 से कैंडिडेट हैं। वहां से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भी चुनाव लड़ रहे हैं।

यूरो-मेडिटेरेनियन ह्यूमन राइट मॉनिटर के हवाले से अल मयादीन की रिपोर्ट में दावा

-फिलिस्तीनियों के शवों से लिवर-किडनी चुरा रहा इजराइल

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइली सैनिक गाजा में मारे गए फिलिस्तीनियों के शव चुरा रहे हैं। सैनिक इन शवों से किडनी, लिवर, दिल जैसे अंग भी चुरा रहे हैं। यूरो-मेडिटेरेनियन ह्यूमन राइट मॉनिटर के हवाले से अल मयादीन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। वहीं अरब मीडिया अल हदथ ने फुटेज शेयर किया है जिसमें इजराइली सैनिक गाजा के अल-शिफा अस्पताल से फिलिस्तीनियों के शव ले जाते हुए दिख रहे हैं। इजराइली डिफेंस फोर्सेस के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल हेर्जी हालेवी ने कहा है कि गाजा में हमास के खिलाफ जंग कई महीने चलेगी।

इस बीच अल मयादीन की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइली सेना ने 80 फिलिस्तीनियों के शव चुराकर -40 डिग्री सेलसियस के तापमान में रखा ताकि उनके अंग निकाले जा सकें। ह्यूमन राइट मॉनिटर ने दावा किया है कि इजराइल में फिलिस्तीनियों के शवों को जब्त करना लीगल है। ह्यूमन राइट मॉनिटर का कहना है कि 2021 तक इजराइल में एक ऐसा कानून पारित किया गया जो इजराइली सैनिकों को फिलिस्तीनियों के शवों को जब्त करने का अधिकार देता है। जिसके बाद से इन शवों और अंगों पर इजराइली मेडिकल स्कूल में एक्सपेरिमेंट होते हैं। इसके पहले इजराइली सेना पर फिलिस्तीनियों के शवों को बुलडोजर से कुचलने और गाजा के कब्रिस्तानों को टैंकों से तबाह करने के आरोप लगे हैं।

हमास से जंग कई महीने चलेगी

इजराइली डिफेंस फोर्सेस के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल हेर्जी हालेवी के मुताबिक, सेंट्रल और साउथ गाजा में इजराइली डिफेंस फोर्सेस हमास के खात्मे के काफी करीब है और उत्तरी गाजा में अब ऑपरेशन तेज किया गया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इजराइली डिफेंस फोर्सेस चीफ ने कहा- मैं फिर साफ कर देना चाहता हूं कि यह जंग कई महीने चलेगी। मैं अभी गाजा से लौटा हूं। वहां मैंने हमारे सैनिकों से मुलाकात की। जिस तरह से हमारे सैनिक जंग लड़ रहे हैं, उसकी मुझे बहुत खुशी है। उनके लिए जो टारगेट सेट किए गए हैं, वो उन्हें हासिल कर रहे हैं। इजराइली डिफेंस फोर्सेस नॉर्थ गाजा में भी हमास का खात्मा करेगी। हालेवी ने आगे कहा- हमने हमास के कई आतंकी और कमांडर मार गिराए हैं। कुछ ऐसे भी जिन्होंने सरेंडर कर दिया है। इसके अलावा सैकड़ों लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। हमारी स्पेशल यूनिट ने गाजा में

अंडरग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और हथियार तबाह कर दिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

घने कोहरे में दर्जनों गाड़ियां भिड़ीं, 3 की मौत कई घायल

नई दिल्ली/उन्नाव। दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा व मध्य प्रदेश में घना कोहरा छाया हुआ है। इससे सड़कों पर विजिबिलिटी कम हो गई है। रेल व हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। सड़क पर वाहन चालकों को ड्राइविंग में परेशानी हो रही है। कोहरे की वजह से उत्तर प्रदेश में कई वाहन टकरा गए, जिनमें तीन की मौत हो गई, वहीं कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कोहरे की वजह से उन्नाव में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर घने कोहरे का कहर दिखा है। यहां आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हो गया। कोहरे के बीच एक के बाद 3 बसें, एक ट्रक, 2 कार सहित 6 वाहन भिड़ गए। एक डबल डेकर बस भी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। इस घटना में एक यात्री की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व यूपीडा कर्मियों ने घायलों को अस्पताल भेजा। इनमें से 6 यात्रियों की हालत ज्यादा गंभीर थी उन्हें ट्रॉमा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया है। बागपत में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 13 घायल हो गए। यहां देर रात बस और ट्रक की भिड़ंत हो गई। बस में सवार करीब 13 लोग घायल हुए हैं। यह लोग पंजाब से वृंदावन जा रहे थे। विजिबिलिटी कम होने से बस ट्रक से टकरा गई। इसमें दो महिलाओं की मौत हो गई। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे करवाकर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। घने कोहरे के कारण दिल्ली हवाईअड्डे पर फ्लाइट्स देरी से आ रही हैं। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय करीब 110 उड़ानें प्रभावित हैं।

17 साल की लड़की से दुष्कर्म, मशहूर फिल्म निर्माता और अभिनेता गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई में एक नाबालिग लड़की को फिल्म में काम दिलाने का लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म करने की घटना हुई है. इस मामले में गुजराती फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता और निर्माता के खिलाफ अँधेरी की डीएननगर पुलिस ने मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के मुताबिक, 40 वर्षीय गुजराती फिल्म अभिनेता और निर्माता ने 17 वर्षीय लड़की को फिल्म में अभिनय करने का लालच दिया। इसके बाद उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में पीड़ित लड़की ने डीएननगर थाने में शिकायत दर्ज कराई. इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया. पीड़िता भी गुजराती है. वहीं आरोपी फिल्म निर्माता और अभिनेता भी गुजरात के रहने वाले हैं. वह फिलहाल अंधेरी में रहते हैं। आरोपी पीड़ित लड़की के चाचा का परिचित था. लड़की आरोपी से इस उम्मीद में परिचित हुई कि उसे किसी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा. फिर सोमवार को आरोपी ने पीड़िता को अंधेरी के एक होटल के कमरे में बुलाया. वहां उसके साथ छेड़छाड़ की. इस घटना के बाद डरी हुई लड़की भागकर सीधे डीएननगर पुलिस स्टेशन पहुंची. उसने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. नाबालिग लड़की की शिकायत के बाद, डीएननगर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (छेड़छाड़ के इरादे से हमला) और पॉक्सो (सुरक्षा), 8 (यौन हमला) के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया. आगे की जाँच डीएननगर पुलिस कर रही है.

आरबीआई को धमकी भरा ईमेल भेजने वाला गिरफ्तार

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को धमकी भरा ईमेल भेजने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी को वडोदरा से गिरफ्तार किया है। आरोपी से अभी पूछताछ की जा रही है। बता दें कि आरोपी ने आरबीआई दफ्तर में धमकी भरा ईमेल किया था। मेल में लिखा था की मुंबई में 11 जगहो पर बम रखे हैं। मुंबई पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को वडोदरा से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने आरबीआई को धमकी भरा ईमेल भेजा था। गौरतलब है कि आरोपी ने आरबीआई को मेल पर धमकी दी थी। शख्स ने मेल में लिखा था कि आरबीआई दफ्तर, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के अंदर बम रखा है। आरोपी ने आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का इस्तीफा भी मांगा था।

मानव तस्करी के मामले में इस कुख्यात मानव तस्कर का नाम सामने आ रहा

मुंबई । सैकड़ों भारतीयों को लेकर एक चार्टर विमान, इस विमान को पिछले हफ्ते फ्रांस में खड़ा किया गया था, मंगलवार सुबह करीब 4 बजे मुंबई पहुंचा। एयरबस ए340 276 यात्रियों के साथ वापस लौटा। पांच नाबालिगों सहित कम से कम 25 यात्रियों ने फ्रांस में शरण का अनुरोध किया। लीजेंड एयरलाइंस नामक रोमानियाई चार्टर कंपनी द्वारा संचालित उड़ान, 21 दिसंबर की दोपहर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई से फ्रांस के वैट्री हवाई अड्डे पर उतरी थी। फ्रांसीसी अधिकारियों ने गुमनाम सूचना के बाद निकारागुआ जाने वाले विमान को रोक दिया था कि उसके यात्री मानव तस्करी के शिकार हो सकते हैं। फ्रांस में चार दिनों तक रुके चार्टर विमान को लेकर एक कुख्यात मानव तस्कर का नाम सामने आया है। इस पूरे घटनाक्रम में हैदराबाद का एक व्यक्ति मास्टरमाइंड हो सकता है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि शशि किरण रेड्डी, जो पिछले साल एक अन्य मानव तस्करी मामले का कथित सरगना है, नवीनतम घटना से भी जुड़ा हुआ है। जनवरी 2022 में, गुजरात के डिंगुचा गांव के एक परिवार के चार सदस्य अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश करते समय कनाडा के मैनिटोबा के एक खेत में जमे हुए पाए गए थे। चार पीड़ित- एक दंपति और उनके दो नाबालिग बच्चे गुजरात के 11 लोगों के एक बड़े समूह का हिस्सा थे जो अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, रेड्डी, जो 15 वर्षों से मानव तस्करी नेटवर्क का संचालन कर रहा है, निकारागुआ जाने वाले उड़ान मामले का मास्टरमाइंड हो सकता है। वह कथित तौर पर दुबई से निकारागुआ के लिए चार्टर्ड उड़ानों की व्यवस्था करने में शामिल है, जो अप्रवासियों के लिए अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य के रूप में उभरा है। बताया जा रहा है कि निकारागुआ की राजधानी मानागुआ की उड़ान में 303 यात्रियों में से 96 गुजरात से थे। रेड्डी पर पिछले दो महीनों में लगभग 800 अवैध भारतीय अप्रवासियों को पर्यटक बताकर निकारागुआ भेजने का आरोप है। सूत्रों का दावा है कि इससे पहले, उन्होंने उन्हें वैट्री हवाई अड्डे पर रुकने वाली 50 सीटों वाली उड़ानों पर भेजा।

माता वैष्णो देवी मंदिर में अब तक रिकॉर्डतोड़ तीर्थयात्री

-कुल संख्या 93.50 लाख से अधिक

जम्मू । वैष्णो देवी मंदिर में इस साल रिकॉर्डतोड़ तीर्थयात्री पहुंचे हैं। इस वर्ष अब तक 93.50 लाख से अधिक तीर्थयात्री वैष्णो देवी के गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। ऐसा चमत्कार 10 साल बाद हुआ है। मंदिर समिति के अधिकारियों का कहना है कि प्रतिदिन 37 हजार से 44 हजार श्रद्धालुगण मंदिर की यात्रा कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि साल के अंत तक प्रतिदिन का आंकड़ा 50 हजार पार करेगा। वैष्णो देवी मंदिर के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक मंदिर में कुल 93.50 लाख लोगों ने मंदिर के दर्शन किए। रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में लाखों की संख्या में लोगों ने दर्शन किए। इससे पहले 2013 में रिकॉर्डतोड़ 93.24 लाख लोगों ने दर्शन किए थे। 2023 में यह आंकड़ा भी पार कर गया। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने कहा, 93.24 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के नए रिकॉर्ड के साथ तीर्थयात्रा पिछले दस वर्षों में सबसे अधिक है। तीर्थ यात्रा के इतिहास में सबसे अधिक संख्या 2012 में थी, जिसमें 1,04,09,569 श्रद्धालु पहुंचे थे। इसके बाद 2011 में 1,01,15,647 श्रद्धालु थे। गर्ग ने कहा कि प्रतिदिन 37,000 से 44,000 श्रद्धालु मंदिर की यात्रा कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि साल के अंत तक यह आंकड़ा 50,000 श्रद्धालु प्रतिदिन तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि इस साल अनुमान है कि भगवान के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों की संख्या 95 लाख से अधिक हो जाएगी। हाल ही में मंदिर में सुविधाओं के मामले में कुछ बढ़ोतरी देखी गई है। जिसमें माता वैष्णो देवी भवन और दुर्गा भवन में स्काईवॉक भी शामिल है। स्काईवॉक और एक पुनर्निर्मित पार्वती भवन का उद्घाटन अक्टूबर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया गया था। इसके अलावा, कटरा में तीर्थस्थल आधार शिविर एक अत्याधुनिक कॉल सेंटर बन चुका है। यहां 24 घंटे तीर्थयात्रियों की मदद की जाती है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में मणिपुर से मुंबई तक कांग्रेस की 'भारत न्याय यात्रा' 14 जनवरी से शुरू होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को घोषणा की है कि पार्टी नेता राहुल गांधी की अगुवाई में 14 जनवरी से 20 मार्च तक मणिपुर से मुंबई (पूरब से पश्चिम) तक 'भारत न्याय यात्रा' निकाली जाएगी। पार्टी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले आयोजित की जाने वाली यह यात्रा 67 दिन में 14 राज्यों और 85 जिलों से होकर गुजरेगी। 'भारत न्याय यात्रा' के दौरान लगभग 6,200 किलोमीटर की दूरी तय की जायेगी। यात्रा ज्यादातर बस से होगी, लेकिन कहीं-कहीं पदयात्रा भी होगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने सात सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली थी। गांधी की 136 दिन की इस यात्रा में 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों के 75 जिलों और 76 लोकसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए 4,081 किलोमीटर की दूरी तय की गई थी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जहां गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान ''आर्थिक असमानताओं, ध्रुवीकरण और तानाशाही'' के मुद्दों को उठाया था, वहीं 'भारत न्याय यात्रा' में देश के लोगों के लिए आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। 'भारत न्याय यात्रा' मणिपुर, नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 14 जनवरी को इंफाल से यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस यात्रा को आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में होने की संभावना है।

रमेश ने कहा, ''कांग्रेस 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद पार्टी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत न्याय यात्रा' निकालेगी।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की स्थापना दिवस के मौके पर नागपुर में 28 दिसंबर को एक व्यापक रैली आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि रैली का नाम होगा 'हैं तैयार हम' और इसके जरिये कांग्रेस2024 के लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंकेगी। पार्टी के महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल ने कहा कि इस यात्रा में देश की महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदाय के लोगों से बातचीत की जाएगी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था कि पार्टी नेता राहुल गांधी को पूरब से पश्चिम तक 21 दिसंबर से दूसरे चरण की यात्रा करनी चाहिए, जिसके बाद इस यात्रा की घोषणा की गई है। यात्रा मणिपुर से प्रारंभ करने के कारण के बारे में पूछे जाने पर वेणुगोपाल ने कहा कि यह देश का महत्वपूर्ण हिस्सा है, साथ ही पार्टी उस पूर्वोत्तर राज्य के लोगों के 'जख्मों पर मरहम' लगाने की प्रक्रिया शुरू करना चाहती है।

मणिपुर में तीन मई को हिंसा शुरू होने के बाद से कुकी और मेइती समुदाय के लोगों के बीच जातीय संघर्ष में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है और 60,000 से अधिक लोग बेघर हो चुके हैं। रमेश ने कहा, '' भारत जोड़ो यात्रा में एकता, प्रेम और सौहार्द का संदेश फैलाने के बाद गांधी अब देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे।'' रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' जहां संविधान की प्रस्तावना के मूल ''स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व'' के इर्द-गिर्द केन्द्रित थी, वहीं 'भारत न्याय यात्रा' प्रस्तावना के पहले स्तंभ न्याय- सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पर केन्द्रित है।'' उन्होंने कहा, ''संविधान पर लगातार हमलों को सफल होने नहीं दिया जाएगा।''

यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के अन्य धड़े इस यात्रा में शामिल होंगे, वेणुगोपाल ने कहा कि कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जा रही है। रमेश ने बताया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी हिस्सा लिया था। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान गांधी ने 12 बैठकें, 100 से अधिक नुक्कड़ बैठकें की थीं और 13 संवाददाता सम्मेलनों को संबोधित किया था।

नीतिश से मिलने पहुंचे पूर्व बाहुबली सांसद आनंद मोहन, पत्नी लवली आंनद भी रही मौजूद

पटना । बिहार की सियासत में इनदिनों फिर से हलचल बढ़ गई है। जानकारी के मुताबिक बिहार के पूर्व बाहुबली सांसद आनंद मोहन अपनी पत्नी लवली के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर पहुंचे हैं। आनंद मोहन के इस तरह से सीएम आवास पर पहुंचने से सियासी अटकलें तेज हो गई हैं। सियासी गलियारों में तरह तरह के कयास लग रहे हैं। कहा जा रहा है कि आनंद मोहन परिवार लालू यादव के लालटेन को छोड़कर नीतीश के तीर धनुष को थाम सकते हैं। हालांकि, अभी इस पर किसी भी तरह का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

बता दें कि सीएम आवास पर नीतीश के दो दिग्गज मंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के पहले आनंद मोहन ने जदयू नेताओं के साथ मीटिंग की है। 29 दिसंबर को जदयू की कार्यकारिणी की बैठक होने वाली है। इसलिए बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कयास लग रहे हैं कि लवली आनंद 2024 के चुनाव में फिर से एक बार जदयू से मैदान में उतर सकती हैं। हालांकि, उनके बेटे फिलहाल आरजेडी से विधायक के तौर पर बने हुए हैं। आनंद मोहन पहले ही बयान दे चुके हैं कि वह आगामी चुनाव लड़ूगा। बता दें कि इसके पहले भी नीतीश और आनंद मोहन में कई बार मुलाकात हो चुकी है। नीतीश कुमार इससे पहले सहरसा में उनके गांव भी गए थे। जहां उन्होंने एक मूर्ति का अनावरण किया था। इस दौरान सीएम नीतीश ने उनकी जमकर तारीफ की थी। उन्होंने आनंद मोहन और लवली को अपना पुराना दोस्त बताया था।

सीएए लागू करना भाजपा की प्रतिबद्धता, सीएम ममता बैनर्जी कर रहीं गुमराह : अमित शाह

- घुसपैठ, गौ तस्करी खत्म कर धार्मिक रूप से सताए हिन्दुओं को नागरिकता प्रदान करना पार्टी का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम देश का कानून है और कोई भी इसके कार्यान्वयन को रोक नहीं सकता है। यह बात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के नेशनल लाइब्रेरी में राज्य भाजपा के आईटी विंग सदस्यों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कही। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए शाह ने सीएए लागू करने की पार्टी की प्रतिबद्धता से अवगत कराया। शाह ने विश्वास जताया कि पार्टी राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 35 से अधिक सीटें हासिल करेगी। साल 2019 के चुनावों में, भगवा पार्टी ने 18 सीटें जीतीं।

बंगाल भाजपा मीडिया सेल ने बंद कमरे में आयोजित कार्यक्रम में शाह के भाषण के संकेतों की एक सूची स?हित वीडियो क्लिप भी साझा कीं। अमित शाह ने कहा कि हमें अगले विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनाने के लिए काम करना है। भाजपा सरकार का मतलब घुसपैठ, गौ तस्करी को खत्म करना और सीएए के माध्यम से धार्मिक रूप से सताए गए लोगों को नागरिकता प्रदान करना होगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए कहा कि वह लोगों को गुमराह कर रही हैं कि देश में सीएए लागू होगा या नहीं। गृह मंत्री ने कहा कि कभी-कभी वह लोगों को, शरणार्थियों को गुमराह करने की कोशिश करती है कि देश में सीएए लागू होगा या नहीं। मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि सीएए देश का कानून है और इसे लागू होने से कोई नहीं रोक सकता। यह हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सीएए का विरोध कर रही है, जिसे 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था। सीएए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों जैसे उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना चाहता है, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में आए थे।

जवानों को संबोधित कर रक्षामंत्री ने कहा, हमारे लिए हर सैनिक परिवार के सदस्य के समान

जम्मू (एजेंसी)। देश के केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को जम्मू दौरे पर पहुंचे हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा व सेना के उच्च अधिकारियों ने जम्मू एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। रक्षा मंत्री सिंह के साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे भी जम्मू आए हैं। रक्षा मंत्री सिंह जमीनी हकीकत की जानकारी लेने के लिए पहुंचे। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने राजौरी में सैनिकों को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने पुंछ हमले में बलिदान हुए चार जवानों को श्रद्धांजलि देकर घायलों के शीघ्र ठीक होने की कामना की। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा, ... हमारे लिए हर सैनिक बेहद महत्वपूर्ण है, हमारा हर एक सैनिक परिवार के सदस्य के समान है। आपके ऊपर कोई नजर डाले यह हमें कतई बर्दाश्त नहीं है। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने में सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसी दोनों महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके लिए शासन की तरफ से जिस भी सहयोग की आवश्यकता होगी उसके लिए सरकार का खजाना खुला हुआ है...

रक्षा मंत्री सिंह ने सैनिकों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सेना जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंकवाद का सफाया कर देगी। उन्होंने कहा, मुझे आपकी बहादुरी और दृढ़ता पर विश्वास है... जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद खत्म होना चाहिए और आपको इस प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप जीत हासिल करेंगे। इसके साथ-साथ आपको लोगों का दिल भी जीतना है।

ममता ने राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम से किया किनारा... भेजा गया था न्यौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है। अयोध्या में इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैं। उन्हीं के हाथों प्रतिमा की स्थापना होनी है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इसकी तैयारी में जुट गई है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं और देश के विभिन्न जगत के दिग्गजों को न्यौता भेजा गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी आमंत्रित किया गया है। इस बीच खबर है कि वह और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस कार्यक्रम में शिरकत नहीं करेगी। बता दें कि राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और ट्रस्ट के पदेन सदस्य नृपेंद्र मिश्रा, आरएसएस के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख राम लाल और वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर उन्हें समारोह में आमंत्रित किया। मिश्रा ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से भी मिलने का समय मांगा था लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके नाजुक स्वास्थ्य का हवाला देकर समय देने से इंकार कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी भव्य समारोह में आमंत्रित किया। पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को भी निमंत्रण भेजा गया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथि सूची सावधानीपूर्वक तैयार की गई है। इसमें उद्योगपति, वैज्ञानिक, अभिनेता, सेना अधिकारी से लेकर पद्म श्री और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता तक शामिल हैं। अतिथि सूची में तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा, योग गुरु बाबा रामदेव, उद्योगपति अडानी समूह के गौतम अडानी, रिलायंस के मुकेश अंबानी, अभिनेता अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, माधुरी दीक्षित नेने, रामानंद सागर की रामायण टीवी श्रृंखला में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल , फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर, गीतकार प्रसून जोशी सहित अन्य शामिल हैं।

राजस्थान में कैबिनेट विस्तार की तैयारी

-नए विधायकों को मिल सकती है जगह

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भी नई भाजपा सरकार की कैबिनेट विस्तार की तैयारी शुरु हो चुकी है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार में एक या दो दिन में नए मंत्रियों को शामिल किए जाने की उम्मीद है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को कैबिनेट विस्तार हो सकता है और शपथ ग्रहण के लिए राजभवन में तैयारियां की जा रही हैं। माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश की तरह ज्यादा नए विधायकों को मौके दिए जाएंगे। इस मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा, आपको मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में जल्द ही सूचित किया जाएगा।

सीएम शर्मा मंगलवार को श्रीकरणपुर विधानसभा के दौरे पर थे और मंगलवार शाम को जयपुर लौट आए। कैबिनेट विस्तार के चलते ज्यादातर विधायक जयपुर में ही रुके हुए हैं। अटकलें हैं कि वरिष्ठ सदस्यों की जगह उन विधायकों को मौका दिया जा सकता है, जो अब तक कभी मंत्री नहीं बने हैं। कुछ वरिष्ठ विधायकों को भी मंत्री बनाया जा सकता है और उनकी संख्या ज्यादा नहीं होगी। वहीं, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नए मंत्रियों के चयन में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने पर भी नजर रहेगी। इस पृष्ठभूमि में माना जा रहा है कि शेखावाटी क्षेत्र, जहां भाजपा का प्रदर्शन फिसड्डी रहा है, वहां ज्यादातर जीते हुए विधायकों को कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। इस बीच, पूर्व सीएम अशोक गहलोत देरी से हो रहे कैबिनेट विस्तार को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, राजीव गांधी युवा इंटर्नशिप कार्यक्रम को बंद कर जहां युवाओं को रोजगार से वंचित किया जा रहा है, वहीं चिरंजीवी योजना के तहत इलाज नहीं होने की खबरें भी आ रही हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सबसे पहले राजस्थान के हित में सरकार का गठन हो, कैबिनेट बने और हमारी योजनाओं और सुचारु शासन के बारे में स्थिति स्पष्ट की जाए। ÷ उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की अद्भुत योजनाओं को बंद नहीं करने की गारंटी नहीं मिलने के कारण नई सरकार से जनता की उम्मीद शुरुआत में ही खत्म हो गई है।

जनवरी के अंत में भाजपा कर सकती है लोस उम्मीदवारों का ऐलान

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव में करीब 4 महीनों का समय बाकी है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बीच खबर है कि पार्टी जनवरी के अंत से ही उम्मीदवारों का ऐलान शुरू कर देगी। हालांकि, इस खबर को लेकर भाजपा ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। इतना ही नहीं कहा जा रहा है कि भाजपा 2024 में राज्यसभा सांसदों को भी मैदान में उतार सकती है। हाल ही में भाजपा ने हिंदी पट्टी के तीन बड़े राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बड़ी जीत दर्ज की थी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि जल्दी सूची जारी करने का प्रयोग भाजपा के लिए सफल साबित हुआ है। सूत्रों का कहना है कि इससे पार्टी अपने प्रतिद्वंदियों के सामने एक कदम आगे निकल सकती है। सूत्र ने कहा, समय रहते फैसला लेना हमारे पक्ष में है। साथ ही उन लोगों के लिए भी शुरुआत का सही समय है, जो बड़े नाम हैं और उपयोगी होते हुए भी मैदान में नहीं उतारे गए हैं। उन्होंने कहा, इससे राज्यसभा में अन्य लोगों के लिए जगह बनेगी और संबंधित लोगों का कद भी बढ़ेगा।

आतंकियों ने हमले का बदला पैटर्न, घना जंगल और टर्न वाले रास्ते को बनाया निशाना

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में हुए दो आतंकी हमलों को देखकर माना जा रहा है कि आतंकियों ने हमले का पैटर्न बदल दिया है। सुरक्षा बलों की जांच में हुए खुलासे के बारे बताया जा रहा है कि बीते 8 माह में पुंछ जिले में दो आतंकी हमले हुए हैं। दोनों ही हमलो में सड़क का टर्न और घने जंगलों को ध्यान में रखकर योजना बनाने की शंका जाहिर की जा रही है। बता दें कि बीते 8 माह में पुंछ जिले में दो आतंकी हमले हुए हैं। पहला हमला 20 अप्रैल को भिंबर गली-सूरनकोट रोड पर आतंकवादियों ने सेना के ट्रक पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। यह अटैक उस वक्त हुआ जब सांगियोट गांव में होने वाली इफ्तार पार्टी के लिए फल और दूसरे सामान ले जाए जा रहा था। इसके बाद, दूसरा हमला 21 दिसंबर को आतंकवादियों ने देहरा की गली-बफलियाज रोड पर सेना के 2 वाहनों पर घात लगाकर हमला किया। इसमें 4 जवान शहीद हुए और 3 घायल हो गए।

दोनों ही हमले वाली जगहों के बीच जंगल है और जिसकी दूरी 30 किलोमीटर तक है। अगर आप सड़क से यात्रा करना चाहते हैं तो सुरनकोट से 55 किमी और राजौरी-थानामंडी मार्ग से 80 किमी की दूरी तय करनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इन दोनों हमलों को 4-5 की संख्या में आतंकियों ने अंजाम दिया। इससे पहले इनकी ओर से टारगेटेड लोकेशन की टोह ली गई। ऐसा मालूम होता है कि जिन जगहों पर अटैक हुआ उन्हें काफी सावधानी से चुना गया था। यहां खासतौर पर इस बात का ध्यान रखा गया कि मोड़ पर जाने से पहले वाहनों को धीमा किया जाएगा। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि आतंकवादियों ने दोनों हमलों में स्टील कोर बारूद का इस्तेमाल किया। यह भी पता चला कि घात लगाकर किए गए हमले के बाद उन्होंने मृत सैनिकों के हथियार लूट लिए। ऐसा मालूम होता है कि उन्होंने हमलों की तस्वीरें और वीडियो शूट करने के लिए बॉडीकैम से लैस हेडगियर पहना था। हमले से जुड़े कथित वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर भी किए गए। बता दें कि हमले के जिम्मेदार आतंकवादियों का पता लगाने के लिए दुर्गम इलाकों और घने जंगलों में सुरक्षाबलों का तलाश अभियान जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में 30 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की गई है और उनमें से कई को छोड़ दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि अभियान में खोजी कुत्ते, निगरानी उपकरण और हवाई तंत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में दबदबा बनाए रखने के अभियान के बीच घुसपैठ के 7 मार्गों को बंद करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि घने जंगल, गहरी घाटियां और गुफाएं होने के कारण अभियान बेहद सावधानी से चलाया जा रहा है। राजौरी और पुंछ में लगातार चौथे दिन मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सोमवार को पुंछ में घटनास्थल का दौरा किया था। सेना प्रमुख ने अपने दौरे के दौरान सुरनकोट और पास के राजौरी जिले के थानामंडी वन क्षेत्र में जारी आतंकवाद रोधी अभियान की समीक्षा की। जनरल पांडे ने सुरक्षाकर्मियों से सभी चुनौतियों के प्रति दृढ़ रहने को कहा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

खाना बनाने के लिए गैस चालू करते ही लगी आग में झुलसे पिता-पुत्र की हालत गंभीर

फ्लैशफायर से सिलेन्डर ब्लास्ट में घर के दरवाजे और खिडकिया उखड गए

सूरत में सचिन के पुष्पक नगर में फ्लैशफायर से आग लगने की घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में फ्लैशफायर से आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। तभी सचिन के पुष्पक नगर में गैस सिलेन्डर में ब्लास्ट हो गया। जिसमें पिता-पुत्र के झुलस जाने से हालत गंभीर हो गई। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूरी घटना तब हुई जब मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले पिता-पुत्र ने रसोई गैस चालू की।

पुष्पकनगर में सचिन के मकान नंबर १५११ में सुबह ६ बजे धमाके के बाद आग लग गई। पूरी घटना सुबह-सुबह हुई। धमाका उस समय हुआ जब कढ़ाई का काम करने वाले पिता सुबह खाना पकाने के लिए गैस जला रहे थे। धमाके में घर के दरवाजे उखाड़ दिये गये, खिड़कियां भी टूट गईं। विस्फोट के बाद आग लगने से कपड़े और घर का सामान भी जल गया। धमाका इतना जोरदार था कि पड़ोसी डर के मारे अपने घरों से बाहर भाग गए। बाद में दोनों घायलों को १०८ की मदद से इलाज के लिए सिविल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर बताई। घायलों में देशराज पिता खेड़ीलाल पासवान (उम्र ५० वर्ष) और राजकुमार (उम्र २२ वर्ष) दोनों यूपी के रहने वाले हैं। फिलहाल दोनों का इलाज चल रहा है।

मेट्रो में खुदाई का काम करते समय खोदी गई मिट्टी पुल पर गिरी,फिसलने से वाहन चालक घायल

चिपचिपी मिट्टी में वाहन फिसलने से वाहनचालक हुए घायल

कीचड़ के कारण वाहन चालक फिसल गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में मेट्रो काफी समय से चल रही है। मेट्रो परिचालन के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुना इलाके में मेट्रो परिचालन के दौरान पुल पर चिपचिपी मिट्टी गिर गई। ऐसे में सुबह के समय कई वाहन चालकों के फिसलने की घटनाएं हुी। जिसमें कुछ गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें १०८ पर कॉल कर प्राथमिक उपचार देना पड़ा। पुना इलाके में मेट्रो के परिचालन में लापरवाही का शिकार निर्दोष वाहन चालक बन रहे हैं। विश्वकर्मा फ्लायओवर ब्रिज कीचड़ से अटा पड़ा था। सूबह सूबह कितने ही वाहन चालक चिपचिपी मिट्टी में वाहन चलाते समय फिसल गए। जिसमें कई वाहन चालक घायल हो गये। उनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि रात में मेट्रो परिचालन के दौरान मिट्टी हटाने के दौरान ओवरब्रिज पर मिट्टी फैल गयी, जिससे कीचड़ हो गया। सुबह वाहन चालकों को पता चलने से पहले ही वे चिपचिपी कीचड़ में फंस गए। घटना के बाद तुरंत मिट्टी हटाने की मांग की गई।

घायल हुए वाहन चालकों की जानकारी अन्य वाहन चालकोंने १०८ और दमकल विभाग को दी। दमकल विभाग की टीम ने पुल पर गिरी चिपचिपी मिट्टी को हटाने के लिए वोटर ब्राऊज़र की मदद से पानी की छीटकांव कीया और किचड को पुल से हटाया गया। जिसके बाद पुल वाहन चालकों के लिए खोला गया।

गहने चुराने वाली महिलाओं का गिरोह पकड़ा गया

ग्राहक बनकर तीन महिलाओं ने चुराई २३ जोड़ी चांदी की पायल,पुलिस ने दो को पकड़ा, एक वांछित

पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के रांदेर मोराभागल स्थित एक ज्वैलर्स की दुकान में ग्राहक बनकर आई तीन महिलाओं ने दुकान के क्लर्क की नजर बचाकर २३ जोड़ी चांदी की पायलें चुरा लीं और भाग गईं। इस मामले में पुलिस को शिकायत मिलने पर रांदेर पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है। जबकि एक महिला को वांछित घोषित किया गया है।

सूरत में ग्राहक बनकर तीन महिलाओं ने ज्वैलर्स के यहां चोरी की और फरार हो गईं। रांदेर मोराभागल चार रास्ता के पास नवकार ज्वैलर्स नाम की सोने-चांदी की दुकान पर तीन महिलाएं आईं और चांदी की पायल देखनी चाहीं। इसी बीच दुकान के कर्मचारी की नजर बचाकर महिलाओं ने ६० हजार कीमत की ११०० ग्राम की २३ जोड़ी चांदी की पायलें चोरी कर लीं और भाग गईं।

जब दुकान मालिक को दुकान में चोरी की जानकारी हुई तो उसने दुकान के सीसीटीवी फुटेज चेक किए। जिसमें महिलाएं चोरी करती नजर आ रही थीं। घटना को लेकर दुकान मालिक ने रांदेर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस की ओर से मामला दर्ज कर जांच की गई। इसी बीच रांदेर पुलिस को सूचना मिली कि सोने-चांदी की दुकान से चोरी करने वाली महिलाएं चोरी की चांदी की पायल के साथ मोराभागल मच्छी मार्केट के पास हाथ में बैग लेकर खड़ी हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने शोभाबेन गुलाब गोपीनाथ जादव और शशिकलाबेन भगवान शंकर जादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी २३ जोड़ी चांदी की पायलें जब्त कर लीं और शंकुतला छोटू गंगराम जादव को इस घटना में वांछित घोषित कर दिया और इस मामले में कानूनी कार्रवाई की है।

गोडादरा में सिरफिरे चिराग मेर के खिलाफ गुजसीटोक अपराध

हत्या के प्रयास, डकैती, अपहरण, हमला, दंगा, जबरन वसूली जैसे अपराधों में शामिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हत्या के प्रयास, डकैती, अपहरण, मारपीट, दंगा, रंगदारी, धमकी, आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी, सूदखोरी समेत २७ गंभीर अपराधों में शामिल सिरफिरे चिराग मेर के खिलाफ पुलिस ने गुजसीटोक धाराएं जोड़ी हैं और उसे गिरफ्तार कर लिया है।

कुख्यात सूदखोर और रंगदारी मांगने वाले चिराग भरवाड पर गुजसीटोक दर्ज किया गया है। कोर्ट ने चिराग मेर उर्फ भरवाड की चार दिन की रिमांड मंजूर कर ली है। चिराग भरवार्ड के खिलाफ २७ मामले दर्ज हैं। उत्राण क्षेत्र में युवक पर जानलेवा हमला करने वाले चिराग भारवाड गिरोह के सदस्यों की जमानत भी रद्द होगी। सभी को गुजसीटोक के तहत हिरासत में लिया जाएगा। चिराग मेर उर्फ भरवाड गिरोह का सरगना है। पकड़े जाने के बाद भी उसके चेहरे पर कोई फर्क नहीं दिखता।

चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा 'एसजीसीसीआई गारमेंट एक्सपो २०२३' का भव्य उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कपड़ा उद्योग को परिधान उद्योग में बदलने और विश्व स्तर पर बिक्री करने के लिए गारमेंट एक्सपो का आयोजन : चैंबर अध्यक्ष रमेश

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा सरसाणा कन्वेंशन सेन्टर में दो दिवसीय 'एसजीसीसीआई गारमेंट एक्सपो २०२३ - का आयोजन किया गया। बुधवार, २७ दिसंबर २०२३ को सुबह १०ः०० बजे एक्सपो का उद्घाटन समारोह प्लेटिनम हॉल में आयोजित किया गया। जिसमें फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की उपाध्यक्ष उमा रेड्डी उद्घाटनकर्ता और मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

द क्लॉथिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) के संयुक्त सचिव नवीन सैनानी, द गुजरात गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीजीएमए) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अर्पण शाह और गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के टेक्सटाइल टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष अर्पण शाह (जीसीसीआई) इस उद्घाटन समारोह में अतिथि थे।

समारोह में चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने सभी का स्वागत करते हुए स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा, जनसंख्या और आय में वृद्धि के साथ, भारत की प्रति व्यक्ति आय २०४७ तक १०,००० अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। तदनुसार, परिधान की प्रति व्यक्ति खपत कम से कम पांच गुना बढ़ने की उम्मीद है। इस तर्क को ध्यान में रखते हुए, हमारे घरेलू परिधान बाजार का आकार आज की तुलना में पांच गुना बढ़ने की उम्मीद है और अगर हम वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी में ८ प्रतिशत की वृद्धि मानते हैं, तो हमारे कपड़ा और परिधान निर्यात में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत में वस्त्र व्यापार का इतिहास ५००० वर्ष से भी अधिक पुराना है। जैसा कि भारत अपने अमृत काल में प्रवेश करने के लिए तैयार है, कपड़ा मूल्य श्रृंखला के परिधान क्षेत्र में उपस्थिति वाले उद्योगपतियों के साथ-साथ इसमें उद्यम करने के इच्छुक उद्यमियों को बहुत लाभ होगा। सूरत सहित पूरे दक्षिण गुजरात को गारमेंट हब के रूप में विकसित करने के प्रयास के तहत चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा 'एसजीसीसीआई गारमेंट एक्सपो-२०१३' का आयोजन किया गया है। इन एक्सपो के माध्यम से परिधान और फैशन उद्योग में वेंडर सोर्सिंग के कई अवसर पैदा हुए हैं और इससे न केवल सूरत सहित दक्षिण गुजरात बल्कि पूरे गुजरात परिधान उद्योग को लाभ होगा।

'एसजीसीसीआई गारमेंट एक्सपो २०२३ के दौरान 'गारमेंट कॉन्क्लेव २०२३ 'आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

परिधान उद्योग में फैशन पूर्वानुमान और रंग मिलान के महत्व पर विशेषज्ञों द्वारा छात्रों और उद्यमियों का मार्गदर्शन

सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा, सरसाना, प्लेटेनियम हॉल सूरत में दो दिवसिय गार्मेन्ट एक्सपो का आयोजन किया गया। इस एक्सपो के दौरान 'गारमेंट कॉन्क्लेव २०२३' का भी आयोजन किया गया है।

बुधवार, २७ दिसंबर २०२३ को दोपहर १ः३० बजे से २ः०० बजे तक 'फैशन' विषय पर पहला सत्र आयोजित किया गया था। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आईसीएच नेक्स्ट वूमेन्सवियर, रिसर्च एंड डिजाइन की क्रिएटिव लीड फैशन विशेषज्ञ यशी सक्सेना ने 'फैशन फोरकास्टिंग' पर भाषण प्रस्तुत किया। वहीं पैनटोन इंडिया की बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर अंकिता कोठारी ने 'गारमेंट इंडस्ट्री में इंडिकेटर कलर्स और कलर मैचिंग का महत्व' विषय पर फैशन डिजाइनिंग के छात्रों और उद्यमियों का मार्गदर्शन किया।

फैशन फोरकास्टिंग के बारे में जानकारी देते हुए यशी सक्सेना ने बताया कि सबसे पहले ग्राहक को यह पता होना चाहिए कि उसे किस तरह का रंग और डिजाइन पसंद है। परिधान निर्माण के लिए रंग और कपड़े का चयन कैसे करें? अंडरवोटर थीम वाला बेज परिधान बनाते समय डिज़ाइन और रंग के संदर्भ में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? इसके बारे में कहा। साथ ही उन्होंने भारत में महिलाओं के परिधानों में आने वाले रुझानों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी कि कैसे छात्र और उद्यमी डिजाइन, फैब्रिक और रंग का चयन कर परिधान बना सकते हैं।

अंकिता कोठारी ने कहा कि ६५ प्रतिशत लोग रंग देखकर कपड़े खरीदते हैं। जबकि ८७ प्रतिशत लोग ऐसे हैं